RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

अकेले हो तो...
विचारों पर काबू रखो
और
सबके साथ हो...
तो जुबान पर काबू रखो...

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-46 ❖ मुंबई ❖ रविवार 07 से 13 नवंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

केंद्र से मांगा GST का बकाया-महाराष्ट्र में और सस्ता हो सकता है डीजल-पेट्रोल, पवार ने दिए वैट में कमी के संकेत

पेज 5

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट-मुंबई के साथ-साथ अब अहमदाबाद से दिल्ली के बीच भी दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, 4 घंटे से भी कम समय में पूरा होगा सफर

पेज 7

सिनेबस्टर मैगज़ीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने किया शानदार दीवाली मिलन समारोह का आयोजन

पेज 8

डॉ कृष्णा चौहान ने मीडिया वालों संग दीवाली उत्सव मनाया

दिवाली का दिखा जोर, प्रदूषण रहा कमजोर! लोगों ने मनाई पर्यावरण के अनुकूल दीपावली

मुंबई, कोरोना और महंगाई से त्रस्त होने के बावजूद भी मुंबईकरों ने दिवाली मनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। चारों तरफ दिवाली का जोर दिखाई दिया। सबसे अच्छी बात यह रही कि लोगों की जागरूकता के कारण इस वर्ष दिवाली में प्रदूषण कमजोर रहा।

दिवाली की रात भी मुंबई की हवा की गुणवत्ता संतोषजनक दिखाई दी। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) के वैज्ञानिक गुफरान बेग ने कहा कि पीएम-२.५ और पीएम-१० प्रदूषण का स्तर शुक्रवार की सुबह तक अधिकतम स्तर पर पहुंच सकता है। सबसे ज्यादा स्थिति मझगांव और कुलाबा की खराब हो सकती है। हालांकि, शहर की आबोहवा में तेजी से सुधार शनिवार से होने का पूर्वानुमान लगाया गया है। सफर के वैज्ञानिक गुफरान बेग के मुताबिक गुरुवार की शाम मुंबई की औसतन वायु गुणवत्ता १६२ एक्यूआई दर्ज की गई, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। हालांकि, दिवाली के एक दिन बाद इसके ३४८ एक्यूआई तक पहुंचने का पूर्वानुमान है। इसी तरह छह क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता संतोषजनक और अच्छी श्रेणी में रही। सबसे अच्छी वायु गुणवत्ता भांडुप में ९१ एक्यूआई और वर्ली में ९५ एक्यूआई रही। इसके बाद संतोषजनक स्थिति के साथ चेंबूर में १६२ एक्यूआई, अंधेरी में १३५ एक्यूआई, मालाड में १६६ एक्यूआई और बोरीवली में १४२ एक्यूआई दर्ज की गई। सफर के वैज्ञानिक बेग के मुताबिक प्रदूषण का स्तर कितना अधिक या कितना कम होगा, यह नमी और हवा की रफ्तार पर निर्भर करता है।

नहीं पहुंचा पर्यावरण को नुकसान

मुंबई सहित आस-पास के शहरों में ४२ फीसदी लोगों ने इस साल दिवाली काफी उत्साह और जोश के साथ मनाई। कई परिवारों ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना दिवाली मनाने का पैâसला किया। लोकल सर्कल द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार हर तीन परिवारों में से दो ने दिवाली को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने पर जोर दिया।

पटाखा बिक्री पर लगे प्रतिबंध

करीब ५३ प्रतिशत लोगों के मुताबिक प्रदूषण को रोकने के लिए पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है। इसी तरह २८ फीसदी लोगों के अनुसार ऐसा प्रतिबंध उचित है। इसे हमेशा के लिए बैन कर देना चाहिए।

बड़ी तादाद में लोगों ने नहीं फोड़े पटाखे

कोरोना महामारी और प्रदूषण को देखते हुए करीब ४५ फीसदी लोगों का कहना था कि वे इस साल पटाखे नहीं फोड़ रहे हैं। इसी तरह १५ प्रतिशत लोगों ने केवल ग्रीन पटाखे जलाए, जबकि ११ प्रतिशत लोगों ने तेज आवाज की बजाय छोटे पटाखे फोड़े। छह फीसदी लोगों ने हमेशा की तरह सभी पटाखे फोड़े। पांच फीसदी लोगों ने पटाखे जलाने पर पाबंदी लगाने और आठ फीसदी लोगों ने इस साल दिवाली न मनाने का पैâसला किया है।

गौरवमयी प्रकाश पर्व लाए स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि! मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दी दिवाली की शुभकामनाएं

मुंबई, दीपोत्सव, प्रकाश पर्व मंगलमय दिवाली के मौके पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि यह गौरवशाली पर्व हम सभी के जीवन में स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि लेकर आए। मुख्यमंत्री ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि दिवाली पर्व सभी के जीवन में प्रकाश, तेज और स्फूर्ति लेकर आता है। यह त्योहार हमें अंधेरे से बाहर निकलकर प्रकाश की राह खोजने के लिए प्रेरित करता है। हम सबके सामने स्वास्थ्य का संकट खड़ा था। इस अंधकार से गुजरते हुए हमें अस्वच्छता, प्रदूषण से बचने और स्वास्थ्य आदतों तथा पर्यावरण की देखभाल करने की प्रेरणा मिली है। ये सकारात्मक चीजें हमें जीवनभर सहेजनी होंगी। इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाना होगा। हम सब संकल्प करें। आइए, स्वस्थ चीजों के लिए पहल करें, जो हम सभी के जीवन में सुख, संपन्नता और समृद्धि लाए। इस गौरवशाली, शुभ, प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!!

नवाब करेंगे धमाका!... खोलेंगे ललित का राज

मुंबई, क्रूज ड्रग्स मामले में एक के बाद एक सनसनीखेज खुलासे करके हलचल मचा देनेवाले अल्पसंख्यक विकास मंत्री व एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक ने रविवार को एक नया धमाका करने का ऐलान किया है। मलिक ने दावा किया है कि वे दिवाली बाद होटल द ललित से जुड़े रहस्य से पर्दा उठाएंगे। एनसीबी मुंबई के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की मुश्किलें खड़ी करनेवाले नवाब मलिक रविवार को कौन सा धमाका करनेवाले हैं, इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। नवाब मलिक अब तक मामले के गवाहों से लेकर वानखेड़े के जाति प्रमाण पत्र पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस और भाजपा नेता मोहित कंबोज भारतीय को भी संदेह के घेरे में खड़ा किया है। नवाब मलिक और मोहित कंबोज के बीच तो ट्विटर वॉर शुरू हो गया है। नवाब मलिक ने कल ट्वीट करके फिर से हलचल मचा दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि शुभ दीपावली... आप सभी की दिवाली मंगलमय हो... होटल द ललित में छुपे हैं कई राज...

जल्द चलेगी हापुस एक्सप्रेस! अभी तक रोड ट्रांसपोर्ट से बाजारों में पहुंच रहा था आम

मुंबई, हापुस आमों की ढुलाई इस साल ट्रेनों से किए जाने की तैयारी कोकण रेलवे कर रही है। रेलवे की तरफ से आमों को नई मुंबई के वाशी स्थित एपीएमसी बाजार में पहुंचाने के लिए बड़े व्यापारियों से बातचीत शुरू हो गई है। हाल के दिनों में रत्नागिरी में कोकण रेलवे प्रशासन की व्यापारियों के साथ बैठक हुई, जिसमें सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। हालांकि, आमों की ढुलाई ट्रेनों से किए जाने पर पैâसला इस महीने सिंधुदुर्ग में होनेवाली बैठक के बाद लिया जाएगा। फिलहाल, अभी तक रोड ट्रांसपोर्ट से आमों को बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को हितधारकों, बिचौलियों और व्यापारियों सहित किसानों की एक बैठक हुई। बैठक में नई मुंबई के लिए हापुस एक्सप्रेस चलाने का निर्णय लिया गया। ऐसी ही एक ट्रेन को दिल्ली, बेंगलुरु और अन्य शहरों के लिए चलाने की संभावना जताई जा रही है। बाजारों तक जल्द पहुंचेगा आम कोकण रेलवे के जनसंपर्क विभाग के उप महाप्रबंधक गिरीश करंदीकर ने कहा कि आमों को माल गाड़ियों से बाजारों तक पहुंचाने के लिए गत शुक्रवार को रत्नागिरी में बैठक हुई, जिसमें किसानों, बिचौलियों के साथ बड़े व्यापारी सकारात्मक दिखे। इस दौरान १५ से २० बड़े व्यापारियों ने ट्रेन से आमों की ढुलाई पर सहमति भी जताई है। हालांकि, इसे लेकर इसी महीने फिर से सिंधुदुर्ग में बैठक होगी। उसके बाद ही ट्रेनों से आमों की ढुलाई पर निर्णय लिया जाएगा। गिरीश करंदीकर ने कहा कि इससे पहले भी दो बार आमों की ढुलाई ट्रेनों से किए जाने का प्रयास किया जा चुका है।

सनका स्वाइन फ्लू! ३८ फीसदी का हुआ इजाफा

मुंबई, स्वाइन फ्लू एक बार फिर सनका है। पिछले साल की तुलना में इस साल अक्टूबर तक स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या में ३८.६३ फीसदी का इजाफा हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक २०२० में एच१एन१ के सिर्फ ४४ मरीज थे, जो इस साल अक्टूबर तक बढ़कर ६१ हो गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि शहर में एच१एन१ और एच३एन२ मरीजों की संख्या बढ़ी है। चिकित्सा विशेषज्ञों ने डॉक्टरों को सलाह दी है कि रोगी में स्वाइन फ्लू के लक्षण दिखाई देने पर उसे नजरअंदाज न करते हुए गंभीरता से लें। अधिकांश में मिले लक्षण मनपा अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने कई मरीजों में स्वाइन फ्लू के लक्षण देखे। इनमें से अधिकांश में इन्फ्लूएंजा-ए का परीक्षण में रिपोर्ट पॉजिटिव आया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल स्वाइन फ्लू या इन्फ्लूएंजा के मरीज शायद ही मिले थे। केईएम अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि सात से आठ मरीजों में बुखार, खांसी और गले में खराश के लक्षण दिखे। ये लक्षण आमतौर पर स्वाइन फ्लू और कोविड-१९ मरीजों में समान पाए जाते हैं। इन लक्षणों वाले १० लोगों का परीक्षण किया गया, उनमें से अधिकांश में इन्फ्लूएंजा और स्वाइन फ्लू के पॉजिटिव रिपोर्ट सामने आए हैं। एक जैसे हैं लक्षण नायर अस्पताल में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. माला कनेरिया के मुताबिक एच१एन१ इन्फ्लूएंजा रोगियों की संख्या बढ़ रही है। एच१एन१ और कोविड-१९ के लक्षण बहुत समान हैं। लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, सांस लेने में तकलीफ और खांसी शामिल हैं।

दिवाली पर फुस्स हुआ 'परमबीर बम!'

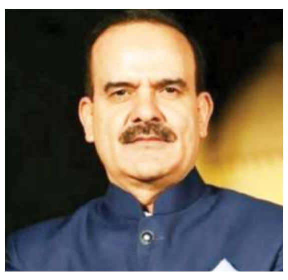

मुंबई, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर गायब हैं। अब दिवाली के ऐन मौके पर परमबीर का भ्रष्टाचार बम फुस्स हो गया है। उन्होंने मामले की जांच कर रहे चांदीवाल आयोग को एक हलफनामा भेजा है, जिसमें परमबीर ने आयोग से कहा कि इस मामले में साझा करने के लिए उनके पास और कोई सबूत नहीं है। परमबीर सिंह के वकील ने हलफनामे की पुष्टि करते हुए कहा है कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने पिछली सुनवाई में उसे जांच आयोग के सामने प्रस्तुत किया था।

बता दें कि इस साल मार्च में मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से हटाए जाने और होमगार्ड में ट्रांसफर किए जाने के कुछ दिनों बाद परमबीर ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखकर दावा किया था कि गृह मंत्री रहे अनिल देशमुख पुलिस अधिकारियों से मुंबई के रेस्टोरेंट और बार मालिकों से पैसे वसूलने के लिए कहते थे। इस शिकायत के बाद आरोपों की जांच के लिए महाराष्ट्र सरकार ने रिटायर जज वैâलाश उत्तमचंद चांदीवाल के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया था। चांदीवाल आयोग की ओर से परमबीर सिंह के खिलाफ कई समन और जमानती वारंट जारी किया गया है लेकिन वह अभी तक इस मामले में आयोग के सामने नहीं आए हैं। इसके लिए जांच आयोग ने परमबीर सिंह पर जून में ५,००० रुपए और दो अन्य मौकों पर २५,००० रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

पुल के नीचे बनेगा पब्लिक प्लाजा! कलानगर का निखरेगा सौंदर्य

मुंबई, मुंबई में यातायात की सुविधा के लिए कई फ्लाईओवर बनाए गए हैं। मगर कई जगह इन फ्लाईओवर के नीचे की जगह खाली पड़ी है जहां पर गंदगी रहती है और साथ ही कई जगह वहां असमाजिक तत्व भी नजर आते हैं। ऐसे में प्रशासन ने उनके सौंदर्यीकरण का बीड़ा उठाया है। कई जगहों को खूबसूरत बनाया भी जा चुका है। इसी कड़ी में अब बारी है बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित कलानगर जंक्शन की। उपनगर के हृदय पर स्थित इस महत्वपूर्ण जंक्शन पर बने फ्लाईओवर ने यहां पर यातायात को काफी सुगम बना दिया है। अब बारी है इसके सौंदर्यीकरण की। अक्सर फ्लाईओवर के नीचे खाली पड़ी जगह का असामाजिक तत्व दुरुपयोग करते हैं। ऐसे में इस तरह के फ्लाईओवर के नीचे की जगहों पर अब पब्लिक प्लाजा बनाया जाएगा, जहां लोगों के मनोरंजन सहित तमाम तरह की सुविधाएं होंगी। इसी के तहत पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने कालानगर पब्लिक प्लाजा परियोजना का भूमिपूजन किया।

होंगी सुंदर कलाकृतियां

यह पब्लिक-प्लाजा कलानगर जंक्शन योजना के पुनरोद्धार की एक व्यापक परियोजना का हिस्सा है, जिसमें विभिन्न कला और शहरी सड़क तत्वों की स्थापना शामिल है। कलानगर पब्लिक प्लाजा के साथ एमएमआरडीए का उद्देश्य कलानगर फ्लाईओवर के नीचे बचे हुए स्थान को कुशलता से सुधारना और सौंदर्य की दृष्टि से सुंदर बनाना है।

ये होंगी सुविधाएं

लाइट आर्ट स्कल्पचर, प्लाजा के शुरुआती बिंदु पर रखा गया एक सौंदर्यवादी डिजाइन तत्व है, जो बीकेसी कला जिले में प्रवेश को उजागर करता है। फव्वारों की अवरोही ऊंचाइयों की शृंखला के साथ रैखिक जल निकाय होगा। जल निकायों के चारों ओर छायादार झाड़ियों के साथ खूबसूरत फूलों के पौधों को लगाया जाएगा। लोगों को बैठने के लिए आसपास अच्छी सुविधाएं होंगी।

आखिर हुई कटौती, बीजेपी की चुनावी चिंता से उपजा है यह फैसला?

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के बाद दीपावली से ऐन पहले सरकार ने इन पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में क्रमश: 5 रुपये और 10 रुपये प्रति लीटर कटौती की। इससे लोगों को तत्काल कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन सरकार के इस कदम का वैसा उत्साहपूर्ण स्वागत नहीं हुआ, जैसी उम्मीद की जा रही थी। कारण संभवत: यह है कि आम लोगों के लिए इस फैसले को सरकार की संवेदनशीलता से जोड़कर देखना संभव नहीं हो पा रहा। पिछले काफी समय से पेट्रोल और डीजल कीमतों का लगातार बढ़ता बोझ आम लोगों के लिए जीना मुश्किल किए हुए था। मगर सरकार ने कभी यह संकेत नहीं दिया कि वह इसे लेकर चिंतित है या इसे कम करने के उपायों पर विचार कर रही है। सरकार का यह फैसला 29 विधानसभा सीटों और 3 लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजे घोषित होने के बाद आया है, जिन्हें कांग्रेस के लिए उत्साहवर्धक और बीजेपी के लिए चिंताजनक माना गया। स्वाभाविक ही इससे यह संदेश गया कि बीजेपी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत 5 राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित है और ताजा फैसला इसी चुनावी चिंता से उपजा है।

इसका मतलब यह माना गया कि इन राज्यों में चुनाव होते ही पेट्रोल और डीजल के भाव फिर ऊपर का रुख कर लेंगे। दूसरी बात यह कि पिछले कुछ समय में इनके दाम में जो असाधारण बढ़ोतरी हुई है, उसके मुकाबले यह कटौती बहुत कम है। 2021 की ही बात करें तो साल की शुरुआत से अब तक पेट्रोल और डीजल के भाव करीब 28 रुपये और 26 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए जा चुके हैं। इस मुकाबले 5 रुपये और 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती को राहत माना भी जाए तो कैसे? खासकर तब, जब इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों से ज्यादा बड़ी भूमिका एक्साइज ड्यूटी की हो।

ताजा कटौती के बाद भी पेट्रोल पर 27.90 रुपये और डीजल पर 21.80 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी लगती है, जो पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान लगने वाली ड्यूटी के मुकाबले बहुत ज्यादा है। हालांकि आज के हालात और चुनौतियों की तुलना पिछली सरकारों के कार्यकाल से नहीं की जा सकती। लेकिन पेट्रोल और डीजल के ऊंचे भाव न केवल शहरों और गांवों के आम वाहनधारकों को प्रभावित करते हैं बल्कि फसलों की सिंचाई और माल ढुलाई का खर्च बढ़ाकर आम तौर पर महंगाई का स्तर बढ़ा देते हैं। इसलिए जरूरी है कि सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम में और कमी लाने पर विचार करे।

दीया प्यार का, विश्वास का, दीपावली से जगे नया उत्साह

किरीट ए. चावड़ा

प्रकाश पर्व दीपावली यूं तो हर साल अपने साथ हर्ष और उल्लास का माहौल लेकर आती है, लेकिन इस बार यह ऐसे समय आई है जब देश कोरोना की विनाशकारी दूसरी लहर के प्रभावों से मुक्त महसूस कर रहा है, तेज टीकाकरण की बदौलत तीसरी लहर की आशंकाओं को काफी हद तक कम कर चुका है और अर्थव्यवस्था भी लॉकडाउन के चलते पैदा हुए प्रतिकूल हालात से उबर रही है। इस लिहाज से यह दीपावली विशेष अहमियत रखती है। इसकी यह विशिष्टता हर आम-ओ-खास के व्यवहार में भी दिख रही है। सबसे ज्यादा उत्साह स्वाभाविक ही अयोध्या में है। पिछले कुछ वर्षों से अयोध्या में दीपोत्सव दुनिया भर का ध्यान खींचने लगा है। वहां जलाए जाने वाले लाखों दीये वर्ल्ड रेकॉर्ड बना रहे हैं। पिछले साल के छह लाख दीयों के मुकाबले इस साल 12 लाख दीये जलाकर अयोध्या अपना ही रेकॉर्ड तोड़ने जा रही है। इसके पीछे मुख्य प्रेरणा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रहे हैं। मगर दिल्ली

के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी अब इस मामले में पीछे नहीं दिखना चाहते। उनकी सरकार ने दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में राम मंदिर का रेप्लिका बनवाया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा कर रखी है कि दीपावली के दिन शाम को वह अपनी पूरी कैबिनेट के साथ पूजा करेंगे। अपील यह है कि तमाम दिल्लीवासी उनके साथ मिलकर पूजा करें। बहरहाल, देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान के तकाजों से मंत्रिमंडल की यह सार्वजनिक पूजा किस हद तक मेल खाती है, यह एक अलग सवाल है, जिस पर विशेषज्ञों को विचार करना चाहिए, लेकिन सामाजिक समरसता के मौजूदा संदर्भ में देखें तो भी दीपों की संख्या या राममंदिर के रेप्लिका से ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि हम सब दीपावली से जुड़ी रस्मों और इस मौके पर किए जाने वाले कर्मकांडों के पीछे छिपे संदेशों को कितनी गहराई से ग्रहण कर पाते हैं। यह बात सचमुच अजीब है कि जहां एक तरफ पूरी दुनिया पर्यावरण प्रदूषण की चुनौतियों से जूझ रही है,

वहीं अपने देश में दीपावली पर पटाखे न फोड़ने की अपीलों का कुछ नेता यह कहते हुए विरोध करते हैं कि यह हमारे पर्व त्योहारों में दखलंदाजी है। दीपावली पूरे समाज में सत्य और शुभ की जीत का संदेश है। इस मौके पर एक संदेश दिल्ली की हजरत निजामुद्दीन की दरगाह से निकला है। दीपावली से दो दिन पहले धनतेरस से ही ये पूरी दरगाह दीयों से जगमगा रही है। विभिन्न धर्मावलंबियों की आस्था का प्रतिनिधित्व करने वाली इस दरगाह ने सभी धर्मों के बीच एकता और सामंजस्य की सीख याद दिलाकर दीपावली के पीछे छुपे सबके कल्याण के भाव को मजबूत किया है।

PM के केदारनाथ दौरे से ठीक पहले देवस्थानम बोर्ड पर क्यों उबले तीर्थ पुरोहित

जिगर डी वाढेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केदारनाथ दौरे से ठीक दो दिन पहले देवस्थानम बोर्ड को भंग करने की मांग को लेकर तीर्थ पुरोहितों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज तीर्थ पुरोहितों ने केदारनाथ में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत को मंदिर जाने से रोक दिया। राज्य के कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का तीर्थ पुरोहितों ने काफी देर तक घेराव किया। गंगोत्री में आंदोलन तेज करते हुए बाजार बंद किए और रैलियां निकालीं।

तीर्थ पुरोहितों ने घोषणा की है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे प्रधानमंत्री के दौरे का भी विरोध करेंगे। तीर्थ पुरोहित बोर्ड के विरोध में 2019 से ही आंदोलन चल रहा है। लेकिन इन दिनों जिस तरह से उन्होंने अपना आपा खोया है, उससे सरकार की चिंताएं बढ़ गई हैं। चुनावी वर्ष होने के कारण बीजेपी के लिए इसे सुलझाना प्राथमिकता होगी।

उल्लेखनीय है कि त्रिवेंद्र रावत के नेतृत्व वाली सरकार ने उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन अधिनियम-2019 के तहत एक भारी-भरकम बोर्ड का गठन कर चार धामों के अलावा 51 मंदिरों का प्रबंधन अपने हाथों में ले लिया। सरकार का कहना था कि लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या और इस क्षेत्र को पर्यटन व तीर्थाटन की दृष्टि से मजबूत करने के उद्देश्य के मद्देनजर सरकार का नियंत्रण जरूरी है। सरकारी नियंत्रण में बोर्ड मंदिरों के रखरखाव और यात्रा के प्रबंधन का काम बेहतर तरीके से करेगा। सरकार दावा करती रही कि बोर्ड के गठन से तीर्थ पुरोहितों के हितों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। तब से लेकर अब तक तीर्थ पुरोहितों के अलावा एक बड़ा तबका सरकार के इस फैसले के विरोध में है। उसका कहना है कि सरकार इस बोर्ड की आड़ में उसके हक-हकूकों को समाप्त करना चाह रही है। समय-समय पर वह धरना, प्रदर्शन और अनशन के माध्यम से अपना विरोध दर्ज करते रहे हैं। बीजेपी लंबे समय से केदारनाथ के पुनर्निर्माण को प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रॉजेक्ट बताकर प्रचारित करती रही है। केंद्र में 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने

केदारनाथ का कोई भी मुद्दा अपने हाथ से नहीं जाने दिया। पिछले लोकसभा चुनाव के बीच जब प्रधानमंत्री केदारनाथ जाकर ध्यान गुफा में 17 घंटे ध्यानस्थ रहे तो उसे बीजेपी ने अपने तरीके से प्रचारित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र से अपने पुराने रिश्तों की दुहाई देकर और यहां के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता देकर कई परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसी के तहत बद्रीनाथ को भी नए मास्टर प्लान के साथ नई टाउनशिप में बदलने का प्रारूप तैयार किया गया।

केंद्र और राज्य सरकार की इन तमाम कोशिशों के बावजूद तीर्थ पुरोहितों और जनता का असंतोष कम होने का नाम नहीं ले रहा है। फिलहाल तीर्थ पुरोहितों का गुस्सा इस बात पर है कि सरकार ने 2019 में जो देवस्थानम बोर्ड की घोषणा की थी उसे वापस नहीं लिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले वहां का जायजा लेने गए बीजेपी के तीन बड़े नेताओं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, मदन कौशिक और धन सिंह रावत को तीर्थ पुरोहितों के गुस्से का शिकार इसलिए होना पड़ा कि सरकार अपने वादे पर खरी नहीं उतरी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपना कार्यभार संभालने के बाद 11 सितंबर, 2021 को तीर्थ पुरोहितों को अपने आवास में बुलाकर आश्वस्त किया था कि 30 अक्टूबर तक इस मामले को सुलझा लिया जाएगा। पुरोहितों को इस बात पर भी रोष है कि मनोहर कांत ध्यानी ने कहा है कि बोर्ड को किसी कीमत पर भंग नहीं किया जाएगा। अगर पुरोहित समाज को इसके प्रावधानों से दिक्कत है तो उस पर विचार किया जा सकता है।

इससे पहले जब त्रिवेंद्र रावत की जगह तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया गया तो उन्होंने कहा कि वह बोर्ड के गठन के औचित्य की समीक्षा करेंगे। उन्होंने यह घोषणा भी की कि इस बोर्ड के दायरे में आने वाले 51 मंदिरों को मुक्त रखा जाएगा। फिलहाल तीर्थ पुरोहितों ने प्रधानमंत्री के केदारनाथ दौरे के दो दिन पहले जिस तरह अपना आक्रोष व्यक्त किया है, उससे सरकार और बीजेपी की चिंताएं स्वाभाविक हैं। चुनावी वर्ष में सरकार इस मामले को किसी भी तरह सुलझाना चाहेगी।

व्यंग्य-हे दीपावली! तू 'महंगाई' से भर सबकी झोली

भूपेन्द्र पटेल

दीपावली पर बेचारे कबाड़ीलाल के चेहरे की रंगत गायब थी। उनकी जेब के साथ चेहरे का भी दिवाला निकल रहा था। बढ़ती महंगाई ने उन्हें इतना परेशान कर दिया था कि मानो सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान पर न होकर सीधे उन्हीं पर होने वाली है। खैनी होठ के नीचे चापते हुए बोले भैया खबरीलाल, महंगाई से जीना मुश्किल हो चला है। चहुँओर महंगाई का सेंसेक्स टॉप पर है। जो उठ रहा वह गिरने का नाम नहीं ले रहा, जबकि जो गिरा है वह उठ नहीं रहा। कबाड़ीलाल जी आप बेमतलब बात का बतंगड़ बनाते हो। दिवाली पर तो आपकी बल्ले-बल्ले है। साफ-सफाई के दौरान लोग घरों का कबाड़ इसी पुनीत पर्व पर बाहर निकालते हैं और आप उस कबाड़ को खरीद कर मालामाल होते हैं, फिर भी आप कहते हैं कि महंगाई है। आप भी विरोधियों की तरह एकसूत्री कार्यक्रम में लगे हैं। कबाड़ीलाल जी, आप पूरी तरह विपक्ष के हाथ का खिलौना बन गए हैं।

दीपावली पर बजारबाद का शोर आपको शायद सुनाई नहीं दे रहा है। टीवी से लेकर अखबारों तक में बम्पर ऑफर का दौर चल रहा है। 'बाय वन गेट थ्री' का ज़माना है। ऑनलाइन से लेकर खुले बाजार तक लूट मची है। लेकिन आप हीरोइन और क्रूज में फंसे हैं। उधर नजर मत डालिएगा वरना एनसीबी के चलते आप बीड़ी कि फूँक भी नहीं मार सकते। क्योंकि उसका धुआं नशीला होता है, जिसकी जद में आने से अनगिनत युवा धूम्रपान के आदि हो सकते हैं। कई लोगों को फेफड़ों का संक्रमण हो सकता है। देखिए धुएं की वजह से ही तो पराली और पटाखे पर

प्रतिबन्ध लगाना पड़ा है। धुएं की वजह से ही तो बेचारी एनसीबी क्रूज तक धमक पड़ी। क्योंकि क्रूज पार्टी से स्मोकिंग के बाद जो धुआं निकलता वह समुद्री पर्यावरण को नुकसान पहुँचता सकता था। समुद्री जलजीव भी नशे के आदि हो सकते थे, लिहाजा एनसीबी को सतर्कता बरतनी पड़ी। लेकिन कबाड़ीलाल जी आप जैसे लोग भी इस राष्ट्रीय हित के फैसले पर सवाल उठा रहें हैं। देखिए टीवी वाले कितनी ईमानदारी से इस पर डिबेट कर रहे हैं।

कबाड़ीलाल जी आप बेवजह महंगाई को बदनाम करते हैं। अब आप बताइए पेट्रोल के दाम में तो अपनी टीम इंडिया निपट गई। अभी आपको महंगाई का नशा ही चढ़ा है। इतना सस्ता टी-20 का मजा आपको कहां मिलेगा। यह नायाब दीपावली का तोहफा है। खबरीलाल, अब हम आपको क्या बताएं। महंगाई का आलम यह है कि आग लगाना भी मुश्किल हो गया है। सुना है कि माचिस की तीलियों के दाम भी डेढ़ दशक बाद दोगुने हो चले हैं।

कलयुग में हनुमान जी को लंका जलानी होगी तो कैसे जलाएंगे। क्योंकि पेट्रोल के दाम जहां सेंचुरी पार हैं, वहीं केरोसीन भी सरकार ने बंद कर दिया है। फिर लंका कैसे जलेगी। कबाड़ीलाल जी, यह समस्या हनुमानजी और लंका वालों की है आप बिलावजह क्यों परेशान होते हैं। महंगाई के मुद्दे का आप धार्मिक और अंतरराष्ट्रीय करण कर रहें हैं।

कबाड़ीलाल ने कहा देखिए, लोकतंत्र में सभी के अधिकारों की चिंता करनी चाहिए। आखिर हनुमानजी को भी महंगाई का सामना करना पड़ेगा। कबाड़ीलाल जी अपने देश में लोग माचिस के बैगर भी आग लगा देते हैं। उनकी जुबान ही माचिस का काम करती है। कभी लाख प्रयास के बाद भी आग नहीं लगती और कभी आग जंगल की आग की तरह फैलती है। वैसे भी हमारे देश में आग लगाने वालों की कमी नहीं है। आप जैसे लोग तो सरकार के हर फैसले के खिलाफ आग उगलते हैं। भले यह आग माचिस, पेट्रोल और एलपीजी से लगने के बजाय जुबान से लगती हो।

कबाड़ीलाल जी, वैसे भी दीपावली के बाद से ठंड अपने रौ में आ जाती है, उस दौरान लोगों को आग की सख्त जरूरत होती है। फिर तो आग जलनी चाहिए वह तेरे सीने में जले या मेरे।

बनवारीलाल जी, जब आपकी ऐसी सद्बुद्धि है तो हम आपको कितना समझाएं। आप महंगाई के प्रेम में नख से शिख तक डूब हैं। ईश्वर आपको पेट्रोल की उमर तक पहुंचाए। आपकी कीर्ति पांच किलो अनाज के झोले की तरह घर-घर पहुंचे। रुपए की तरह आप दिन-दूना और रात चौगुना की गति से लुढ़कें। जीडीपी की तरह जमींन में धंस जाएं। कोरोना से भी अधिक तेजगति से महंगाई का संक्रमण फैलाएं। आप की यश और कीर्ति एलपीजी की तरफ बढ़े।

बनवारीलाल जी कितना भी हो आप हमारे पड़ोसी हैं, फिर इस दीपावली हम आपको महंगाई जैसी बद्दुआ नहीं दे सकते। दीपवाली पर हम आपको मिलावटी खोवे की मिठाइयों और ग्रीन पटाखों के साथ शुभकामनायें देते हैं। आप बगैर कड़ुवा और तिल के तेल के बिना सुखी बाती बन दीपक में जलते रहने की शुभकामनायें भी देते हैं। अपने साथ उन लाखों निर्दोष कीट पतंगों को भी जलाते रहें जिनका इस गुनाह से कोई मतलब नहीं। हार्दिक दुर्भावनाओं सहित दीपावली की शुभकामनाएं।

आर्यन खान ड्रग्स मामला-एनसीबी के डीडीजी संजय सिंह ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो(एनसीबी) के उप महानिदेशक संजय सिंह के नेतृत्व में नवगठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को मुंबई जोनल ऑफिस में दर्ज आर्यन खान समेत छह ड्रग मामलों की जांच शुरू की। सिंह 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह उन सभी छह मामलों की जांच का जिम्मा संभालेंगे, जो पहले क्षेत्रीय निदेशक समर वानखेड़े के नेतृत्व में थे, जिसमें 2 अक्टूबर की सनसनीखेज क्रूज शिप पार्टी छापे शामिल है। इस मामले में बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया था।

एनसीबी ने शुक्रवार को इन मामलों की जांच के लिए सिंह की अध्यक्षता में एक एसआईटी का गठन किया। वानखेड़े के खिलाफ रिश्वत और जबरन वसूली के कथित आरोपों की जांच शुरू की गई थी, जिसके एक हफ्ते बाद उन्हें जांच दल से हटा दिया। शुक्रवार को जारी एनसीबी के बयान में कहा गया है कि एनसीबी मुख्यालय की संचालन शाखा के अधिकारियों की एक एसआईटी का गठन एनसीबी के मुंबई क्षेत्रीय इकाई से कुल छह मामलों को संभालने के लिए किया गया है।

बयान में यह भी कहा गया है कि किसी भी अधिकारी को उनकी वर्तमान भूमिकाओं से नहीं हटाया गया है और जब तक इसके विपरीत कोई विशिष्ट आदेश जारी नहीं किया जाता है, तब तक वे आवश्यकतानुसार संचालन शाखा की जांच में सहायता करना जारी रखेंगे। यह दोहराया जाता है कि एनसीबी पूरे भारत में एक एकीकृत एजेंसी के रूप में कार्य करती है। हालांकि वानखेड़े ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें मामले से हटा दिया गया है और कहा, मुझे जांच से नहीं हटाया गया है। अदालत में मेरी रिट याचिका थी कि मामले की जांच एक केंद्रीय एजेंसी द्वारा की जाए। इसलिए आर्यन खान केस और समीर खान केस की जांच दिल्ली विशेष जांच दल कर रहा है। यह दिल्ली और मुंबई की एनसीबी टीमों के बीच समन्वय है।

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक और वानखेड़े के बीच पिछले एक महीने से आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। एनसीपी नेता ने एनसीबी मुंबई के प्रमुख पर चौंकाने वाले खुलासे किए, इसके अलावा एक गवाह द्वारा एक हलफनामे में उन पर जबरन वसूली का आरोप भी लगाया। भारतीय जनता पार्टी के राजनेताओं और जहाज पर छापेमारी आदि के दौरान वांछित अपराधियों को शामिल किए जाने के आरोप भी लगाए गए।

बिग बी दिवाली: मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने परिवार के साथ शेयर की दिवाली उत्सव की तस्वीरें

मुंबई । मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने पूरे परिवार के साथ दिवाली उत्सव की एक फोटो शेयर की है। अमिताभ ने इससे पहले एक तस्वीर साझा की थी जिसमें ऐश्वर्या राय को छोड़कर बच्चन परिवार के सभी सदस्य थे। हालांकि इस नई तस्वीर में ऐश्वर्या समेत परिवार के सभी सदस्य नजर आ रहे हैं। तस्वीर में अभिषेक और ऐश्वर्या बाईं ओर आराध्या के साथ बैठे हैं। तस्वीर में अमिताभ की बेटी श्वेता बच्चन नंदा के बेटे अगस्त्य और बेटी नव्या नवेली नंदा को भी देखा जा सकता है। उन्होंने कैप्शन लिखा परिवार प्रार्थना करता है और एक साथ खुशियां मनाता है। पावन अवसर पर शुभकामनाएं - दीपावली मंगलमय हो। इससे पहले सोशल मीडिया पर शेयर की गई दिवाली की तस्वीरों में सिर्फ अमिताभ, जया, अभिषेक, श्वेता और नव्या ही नजर आए थे। काम के मोर्चे पर अमिताभ अगली बार झुंड, ऊंचाई, ब्रह्मास्त्र, मेडे और गुड बाय में दिखाई देंगे।

युवक ने पेड़ से फांसी लगाकर दे दी जान

गोंदिया। स्थानीय फुटाना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप शुक्रवार की सुबह में जामून के पेड़ से फांसी पर लटका हुआ एक युवक का शव मिला है। मृतक की शिनाख्त ग्राम फुटाना निवासी कैलाश रामलाल कोचे(25) के तौर पर हुई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पेड़ से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि घटनास्थल पर दो रस्सियों से अलग-अलग फंदे बनाए गए थे। जिसमें से एक पर कैलाश का शव लटका हुआ था। जबकि दूसरा फंदा खाली था। वहीं पेड़ के नीचे मोबाइल रखा हुआ था। जिससे इस घटना को लेकर गांव में अलग-अलग चर्चाएं है। इस मामले में चिचगड़ पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू है। इस मामले में थानेदार के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मी सौंजाल आगे की जांच कर रहे हैं।

पड़ोसी के कम्पाउड वॉल पर फायरिंग करने वाला पुलिसकर्मी नामजद

भंडारा। शहर के शांति नगर, तकिया वार्ड में विगत 31 अक्टूबर को पड़ोसी महिला के साथ उसके पति को लेकर किसी बात पर हुए विवाद के दौरान शराब के नशे में धुत पुलिसकर्मी ने महिला के घर के कपांउड वॉल पर बंदूक से फायरिंग कर जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के चार दिन बाद भंडारा पुलिस ने बुधवार, 3 नवंबर की रात को आरोपी शांति नगर, तकिया वार्ड निवासी पुलिसकर्मी सेवक तेजराम खंडाते(40) के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। बताया जाता है कि आरोपी पुलिसकर्मी सेवक खंडाते यह सांसद सुनील मेंढे के गार्ड के रूप में कार्यरत था। गौरतलब है कि रविवार, 31 अक्टूबर को शहर के शांति नगर, तकिया वार्ड में रहनेवाले पुलिसकर्मी सेवक खंडाते शराब के नशे में अपने पड़ोसी रोशन दहेलकर के घर पहुंचकर गालीगलौच कर उसके मोबाइल क्रमांक की मांग की। उस समय घर में मौजूद रोशन की पत्नी कुमदीनी ने मोबाइल क्रमांक नहीं देने से गुस्सायें पुलिसकर्मी ने महिला व उसके पति को जान से मारने की धमकी दी।

राणे का खुलासा: हवाई अड्डा उद्घाटन समारोह उद्धव ने पूछा था- भंडाफोड़ने बर्तन लाए क्या

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के चिढ़ाने के कारण मैंने सिंधुदुर्ग के चिपी हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में शिवसैनिकों की जमकर आलोचना की थी। राणे ने कहा कि 9 अक्टूबर को कार्यक्रम के मंच पर आने के बाद मुख्यमंत्री ने मुझसे पूछा कि बर्तन लाए है क्या? मुझे उनकी बात समझ नहीं आई। इसलिए मैंने उनके पास जाकर पूछा कि आपने क्या कहा? फिर मुख्यमंत्री ने मुझसे कहा कि 'आपने कहा था कि मैं शिवसेना के नेताओं का भंडाफोड़ करुंगा। इसलिए मैंने पूछा कि बर्तन लाए हैं क्या?' राणे ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस बात पर मुझे चिढ़ आ गई और मैंने उनसे कहा कि 'मैं अब भंडाफोड़ करूंगा।' जिसके बाद मैंने कार्यक्रम के मंच से शिवसेना के सांसद विनायक राऊत और कई नेताओं पर विकास परियोजना का काम पूरा करने में बाधा डालने के आरोप लगाए थे।

केंद्र से मांगा GST का बकाया-महाराष्ट्र में और सस्ता हो सकता है डीजल-पेट्रोल, पवार ने दिए वैट में कमी के संकेत

मुंबई। केंद्र सरकार से राहत मिलने के बाद राज्य में सत्तारुढ़ महाविकास आघाड़ी सरकार राज्य सरकार द्वारा वसूले जाने वाले वैट में कमी कर सकती है। शुक्रवार को महा विकास आघाडी सरकार के शिल्पकार-राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी के सवाल पर कहा कि इस बारे में प्रदेश सरकार से बात करनी पड़ेगी। प्रदेश सरकार ने निश्चित रूप से कुछ राहत देने के संकेत दिए हैं।

साथ ही पवार यह कहना नहीं भूले कि केंद्र सरकार को राज्य के जीएसटी मुआवजे का बकाया भुगतान जल्द करना चाहिए। यदि केंद्र सरकार जीएसटी मुआवजे का बकाया देगी तो राज्य सरकार के लिए लोगों को राहत देने के लिए फैसला लेना संभव होगा। इस बीच पवार ने कहा कि राज्य सरकार के कारगर फैसलों के चलते कोरोना के मरीजों की संख्या दिन पर दिन कम हो रही है। पवार ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम जल्द कोरोना के संकट से उभरेंगे और राज्य की आर्थिक स्थिति सामान्य होगी।एसटी कर्मचारियों के हड़ताल के सवाल पर पवार ने कहा कि एसटी संगठन के प्रतिनिधियों ने मुझसे मुलाकात की थी।

उनका कहना था कि हमें आंदोलन को जारी नहीं रखना है। लेकिन कुछ लोगों ने अड़ियल रूख अपना लिया है। इसलिए दिवाली के मौके पर यात्रियों को परेशानी हो रही है। लेकिन एसटी की 80 से 50 प्रतिशत बसों का परिचालन हो रहा है। पवार ने कहा कि अदालत ने आंदोलन को गैर कानूनी करार दिया है। इसलिए कर्मचारी आंदोलन खत्म कर दें।

केंद्र ने कम किया, अब राज्य सरकार भी कीमतों में लाए कमी: फडणवीस

दूसरी तरफ पवार के बयान पर विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने जवाब दिया है।

नाशिक में फडणवीस ने कहा कि दुर्भाग्य से जिन्हें कुछ समझ नहीं है ऐसे लोग इस तरह के टिप्पणी कर रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि जीएसटी का मुआवजा हर साल दिया जाता है। इस साल भी राज्य को जीएसटी मुआवजे का बकाया मिलेगा। लेकिन केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर 5 रुपए एक्साइज ड्यूटी कम की है। इससे पेट्रोल की कीमतें प्रति लीटर 7 रुपए कम हो जाएंगी। लेकिन हम चाहते हैं कि राज्य सरकार पेट्रोल की कीमतों को 10 से 12 रुपए कम करे। इसके पहले बीते 3 नवंबर को केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 5 रुपए और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर घटा दिया था। इसके बाद भाजपा शासित कई राज्यों ने पेट्रोल और डीजल पर राज्य सरकार की ओर से लागू किए जाने वाले वैट को घटाने का फैसला किया है। उन राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दाम और कम हो गए हैं।

गोंदिया: फूल और केले के पेड़ नहीं बिके तो सड़क पर ही फेंककर चल दिए विक्रेता

गोंदिया। दीपावली का त्यौहार मनाने के लिए 4 नवंबर को सुबह से ही बाजार में ग्राहकों की भीड़ देखी गई। इस त्योहार के मद्देनजर फूलों, केले, आम के पत्तियों सहित अन्य सामग्री की बिक्री के लिए जगह-जगह दुकानें लगाई गई थी। दूसरे दिन सुबह में सड़कों पर जगह-जगह फूल, केले के पत्तों सहित जगह-जगह कचरा फैलाकर व्यवसायी चले गए, जिन्होंने दुकान की सामग्री बेचे जाने के बाद बचे हुए गेंदे के फूल, केले, गन्ने के पत्तों को सड़कों पर फेंककर चले गए। जिसके चलते दिवाली के दूसरे दिन शहर के जयस्तंभ चौक, दुर्गा चौक, चांदनी चौक, गोरेलाल चौक, गांधी चौक, नगर परिषद के सामने बड़े पैमाने पर कचरा फैला पड़ा था। इस बात से अवगत नप प्रशासन में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी अवकाश पर होने की बात सामने आयी है। वहीं सामाजिक संस्थाएं भी शहर की स्वच्छता के प्रति नदारद नजर आयी है। उक्त समस्या को शीघ्र हल करने की मांग नागरिकों द्वारा की गई है। यहां बता दें कि जिले में दीपावली पर्व पर छोटे-बड़े व्यवसायियों ने दुकानों में सामानों को बेचने के लिए रखा था।

हाईकोर्ट-नहीं निकल सका एसटी कर्मचारियों की हड़ताल का हल, मंगलवार को होगी अगली सुनवाई

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट में शनिवार को भी एसटी महामंडल के कर्मचारियों की जारी हड़ताल का हल नहीं निकल सका। लिहाजा कर्मचारियों की हड़ताल जारी रहेगी। हाईकोर्ट ने अब मंगलवार, 8 नवंबर 2021 को हड़ताल के खिलाफ एसटी महामंडल की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई रखी है। इससे पहले राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि वह इस मामले को देखने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाने को तैयार है। जिसमें राज्य के मुख्य सचिव,वित्त व परिवहन विभाग के सचिव होंगे। यह समितिकर्मचारियों के 28 संगठनों से बात करउनकी मांगो को लेकर रिपोर्ट तैयार करेगी। इस दौरान कर्मचारियों के संगठन की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता सदाव्रते गुणरत्ने ने कहा कि कमेटी के गठन को लेकर पहले शासनादेश जारी किया जाए। उसे एक तय समय सीमा के भीतर रिपोर्ट देने को कहा जाए। इसके बाद हड़ताल वापस लेने के बारे में विचार होगा। उन्होंने खंडपीठ को एसटी कर्मचारियों के आत्महत्या करने के बारे में भी जानकारी दी। वहीं सरकारी वकील ने कहा कि तुरंत शासनादेश जारी करना संभव नहीं है।इसके बाद खंडपीठ ने याचिका पर सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

एसटी कर्मचारियों की मांग है कि उनके साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों जैसा बर्ताव किया जाए। इस तरह शनिवार को भी एसटी कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर हल नहीं निकल पाया है। एसटी महामंडल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि कर्मचारियों की हड़ताल अवैध है। क्योंकि औद्योगिक न्यायालय ने हड़ताल पर रोक लगाई है। हाईकोर्ट ने भी कर्मचारियों को हड़ताल करने से रोका है। हड़ताल के चलते एसटी के 250 डिपो में से 59 डिपो में काम ठप्प है।जिससे त्योहार के समय आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

डेढ़ सौ साल की अनूठी परंपरा: गोधन पूजा पर चरवाहे को कुचलते हुए दौड़ती हैं 150 गायें

भंडारा। दीपावली त्यौहार के बलिप्रतिपदा के दिन गौधन पूजन का विशेष महत्व है। ऐसे में जिले के मोहाड़ी तहसील में पिछले डेढ़ सौ साल से परंपरानुसार बलिप्रतिपदा के दिन गौधन पूजन के अवसर पर लगभग 150 गायों का झुंड एक चरवाहे को कुचलते हुए आगे दौड़ता हंै। प्रतिवर्ष की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी बलिप्रतिपदा के दिन शुक्रवार, 5 नवंबर को गौधन पूजा के बाद बैंड-बाजे के साथ रैली निकाली गई। जिसके बाद ग्राम जांभोरा निवासी चरवाहा विनायक सुरेश परतेकी(34) के शरीर के ऊपर से लगभग 150 गायों का झुंड दौड़कर गुजर गया, लेकिन चरवाहे को जरा सी भी चोट नहीं लगी। दिल-दहला देनेवाले इस रोमांचक गौंवश की दौड़ को देखने के लिए भंडारा जिले सहित दूरदराज से नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचे थे। इस संबंध में चरवाहा विनायक सुरेश परतेकी ने बताया कि हमारे पूर्वजों से यह परंपरा चली आ रही हैं, जिसे कायम रखना हमारा कर्तव्य हैं। गौमाता के कारण हम जीवित है। उसका कर्ज चुकाने के लिए हम गौमाता के चरणों में स्वयं को समर्पित करते हैं।

दर्दनाक : दिवाली मनाने ससुराल जा रही गर्भवती की हादसे में मौत, पति भी गंभीर

भंडारा। जिले के राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 53(पुराना 6)पर स्थित लाखनी शहर के बंसी डेयरी के सामने गुरुवार, 4 नवंबर को ट्रक और दोपहिया के बीच हुई जोरदार टक्कर में दोपहिया सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल होकर महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृत महिला का नाम गोंदिया जिला सावरटोला निवासी शीतल अमित लांजेवार(27) होकर वह नौ माह की गर्भवती थी। इस भीषण हादसे में गर्भवती महिला के साथ उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मृत्यु हो गई है। जबकि महिला का पति अमित लांजेवार व ट्रक चालक घायल होकर ट्रक चालक को भंडारा जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह हादसा गुरुवार को दोपहर 2.15 बजे के दौरान हुआ। बताया जाता है कि घटना के समय दोनों पति-पत्नी दिवाली त्योहार व नौ माह पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नागपुर से गोंदिया जिले के सावरटोला गांव में जा रहे थे।

लक्ष्य: तापी पुनर्भरण योजना का कार्य तेज गति से पूरा करने के निर्देश

अमरावती। जिले की गोदावरी और तापी घाटी की 6 नदियों को केंद्र सरकार के जलशक्ति अभियान अंतर्गत जोड़कर बाढ़ और सूखा की स्थिति से निपट सकते हैं। जिले को सुजलाम् सुफलाम् बनाने वाली तापी महाकाय पुनर्भरण महत्वपूर्ण योजना को गति से पूर्ण करने के निर्देश राज्य के जलसंपदा राज्यमंत्री बच्चू कडू ने प्रकल्प मंडल के अधिकारियों को दिए हैं। गौरतलब है कि, अमरावती जिले में 10 बड़ी और 14 छोटी ऐसी 24 नदियां बहती है। जिले की पेढ़ी, पूर्णा, पीली, चंद्रभागा, शहानूर यह नदियां तापी नदी से मिलती है और वर्धा नदी पूर्व की ओर से बहकर प्राणहिता नदी से मिलती है। इसके बावजूद हर साल भूजल स्तर कम होता है। कुछ तहसीलों में पानी की कमी महसूस होती है तथा कम बारिश के कारण कुछ बांध और नहर सूखे रहते हैं। इसलिए अमरावती जिले की तापी, पूर्णा, पेढी और गोदावरी घाटी से बहने वाली इन नदियों को जोड़ने वाली योजना को राज्यमंत्री कडू के मार्गदर्शन में गति मिल रही है।

दर्शकों की लगी भीड़: सिनेमाघरों में लौटी रौनक, सीटें फुल - 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुले थियेटर

नागपुर।16 महीने से बंद सिनेमाघरों की शुक्रवार से ओपनिंग हुई। दर्शकों ने बड़े परदे पर धमाकेदार एक्शन, थ्रिलर और एडवेंचर का मजा लिया। दिवाली के दूसरे दिन छुट्टी का लुत्फ दर्शकों ने बड़े बजट की फिल्म सूर्यवंशी देखकर उठाया। शहर में 22 अक्टूबर से सिनेमाघर खुलने की इजाजत मिल गई थी, लेकिन बड़े बजट की फिल्म नहीं होने के कारण गिने-चुने सिनेमाघर ही खुल पाए थे। सूर्यवंशी 8 सिंगल स्क्रीन और 3 मल्टीप्लेक्स में रिलीज की गई। लंबे समय से दर्शक इस फिल्म के इंतजार में थे। अलंकार और संगम सिनेमघर की ओपनिंग एक बार फिर नहीं हो पाई। बड़ा परदा खुलने का इंतजार हुआ खत्म अशोक गौर, रिप्रेंजेंटेटिव रिलायंस एंटरटेनमेंट के मुताबिक पिछले 16 महीने से दर्शक बड़ा परदा खुलने का इंतजार कर रहे थे। सितंबर में सिनेमाघर खुले, लेकिन अन्य प्लेटफॉर्म में रिलीज फिल्मों के साथ। लगातार तीन दिन छुट्टियां होने से दर्शक फिल्म देखने सिनेमाघरों का रुख किए हैं। लगभग सभी सिनेमाघर हाउसफुल रहे। अगर 100 प्रतिशत क्षमता के साथ खोला जाता, तो भी हाउसफुल रहते। बहुत समय से दर्शकों ने बड़े परदे पर अच्छी फिल्में नहीं देखी हैं। सिनेमाघर में फूड ले जाने की इजाजत नहीं है। एसओपी द्वारा दिए नियम और शर्तों का पालन किया गया।

मास्क को लेकर हर कोई दिखा जागरूक हरीश हिरनवार, मैनेजर बूटी सिनेप्लेक्स के मुताबिक एसओपी के मुताबिक हर शो के बाद सिनेमाघर को सैनिटाइज किया गया। दर्शक भी सिनेमाघर में मास्क लगाकर पहुंचे। गेट पर थर्मल स्क्रीनिंग की गई। दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था। बड़े परदे पर अपने पसंदीदा सितारों को देखकर दर्शकों ने एक बार फिर मजा लिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी लोगों में मास्क को लेकर जागरूकता नजर आई। सभी दर्शक मास्क पहनकर सिनेमाघर में आए थे। सुबह 6.30 बजे का शो फुल कमाल टॉकीज में सुबह 6.30 बजे का शो हाउसफुल रहा, साथ ही शहर के लगभग हर सिनेमाघर दर्शकों से भरे रहे। एसओपी के मुताबिक सिनेमाघरों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खोला गया है। थियेटरों में प्रवेश के लिए मास्क और डबल डोज वैक्सीन अनिवार्य किया गया है। जिन्होंने नियमों का पालन किया उन्हें ही एंट्री दी गई। बच्चों के लिए आधार कार्ड कंपलसरी था। हर शो के बाद सिनेमाघरों को सैनिटाइज किया गया।

अपने अहंकार को अपने ऊपर हावी न होने दें

हिरल शाह

बहुत सारे कारक किसी व्यक्ति की सफलता को परिभाषित करते हैं। कई गुण और व्यक्तित्व लक्षण हैं जो व्यक्तिगत विकास और विकास में मदद करते हैं। इसके विपरीत, कई चीजें हैं जो असफलता की ओर भी ले जाती हैं। जैसे निराशावाद, संकीर्णता, लालच और अहंकार। आइए एक मिनट के लिए अहंकार पर ध्यान दें क्योंकि यह एक प्रमुख कारण है कि लोग प्रतिभाशाली और कड़ी मेहनत करने के बावजूद असफल हो जाते हैं। जैसे ओशो ने ठीक ही कहा है, "प्यार तब खुश होता है जब वह कुछ दे पाता है। अहंकार खुश होता है जब वह कुछ लेने में सक्षम होता है। " अहंकार नियंत्रित न होने पर सब कुछ नष्ट कर सकता है।

इससे पहले कि हम अहंकार की परिभाषा में जाएं, मैं आपको धीरे से याद दिला दूं कि हर किसी में अहंकार होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन इनकार करता है, हम आपसे वादा कर सकते हैं, अहंकार सभी में मौजूद है।

यह आपके अंदर की भावना है जो आपको बाकी सभी से अलग और खास महसूस कराती है।

अहंकार का संबंध आत्म-छवि और आत्म-सम्मान से भी है।

अपने अनुभव के साथ मैं कुछ निष्कर्ष साझा कर रहा हूं जो आपके अहंकार को नियंत्रित करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

किसी भी बात को लेकर व्यक्तिगत मत बनो।

पहली चीज जो आपको करने की ज़रूरत है वह है चीजों के बारे में कम व्यक्तिगत होना। आप में से कुछ लोग इसे अक्षरश: भी लेते हैं। ऐसा कुछ करने से बचें। आपको अपने साथ शांति से रहना सीखना चाहिए। साथ ही, यह जान लें कि लोग हमेशा वही नहीं कहते जो वे कहते हैं।

कभी-कभी वे सिर्फ क्रोधित और परेशान होते हैं इसलिए वे एक निश्चित तरीके से व्यवहार करते हैं। यदि आप इसे व्यक्तिगत रूप से भी लेते हैं, तो आप अंत तक आहत होंगे।

अपनी सभी गलतियों को स्वीकार करें

अपनी सभी अहंकार समस्याओं पर काम करने का एक शानदार तरीका है अपनी गलतियों को स्वीकार करना। क्या आप जानते हैं कि हर कोई निश्चित समय पर गलत होता है और गलती करना बहुत स्वाभाविक है। लेकिन इसे लेकर जिद्दी और स्वार्थी होना अच्छी बात नहीं है।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप माता-पिता हैं या शिक्षक या बॉस हैं, आपको यह स्वीकार करने के लिए पर्याप्त विनम्र होना चाहिए कि आप कहां गलत हैं। जाओ और उस व्यक्ति से क्षमा मांगो। यह हल्का महसूस करेगा और आपके झूठे अहंकार को आपके जीवन को नियंत्रित करने से रोकेगा।

मूर्ख दिखने से डरना बंद करो।

अहंकारी लोग सबसे बड़ी गलतियों में से एक मूर्ख दिखने के डर में जी रहे हैं। यह अक्सर गर्व से जुड़ा होता है क्योंकि अभिमानी लोग हमेशा खुद को मूर्ख बनाने के लिए इतने चिंतित रहते हैं। और अगर आपको कुछ समय से ऐसा ही लग रहा है तो तुरंत रुक जाएं।

गूंगा दिखने की चिंता मत करो। आप जितने अधिक जागरूक होंगे, दूसरों के सामने मूर्खतापूर्ण दिखने और महसूस करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। तो कम अहंकारी बनने का मुख्य तरीका ऐसी मूर्खतापूर्ण भावनाओं से कम डरना है।

जान लें कि आप सर्वश्रेष्ठ नहीं हैं।

अपनी सीमाओं से अवगत होना बहुत जरूरी है। आपको पता होना चाहिए कि आप हर चीज में सर्वश्रेष्ठ नहीं हैं और ऐसे लोग होंगे जो आपसे बेहतर काम कर सकते हैं। लेकिन यह भी याद रखें कि आप शायद ऐसा महसूस करने वाले अकेले व्यक्ति नहीं हैं।

हर कोई किसी चीज में अच्छा नहीं होता और यह बिल्कुल ठीक है। इसके अलावा यह जानते हुए कि आप कुछ निश्चित तरीकों से सीमित हैं इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने सपनों को पूरा नहीं कर सकते हैं या पूरा नहीं कर सकते हैं। आपको किसी पर कठोर होने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे कर सकते हैं और आप नहीं कर सकते।

आपके पास जो छोटी-छोटी चीजें हैं, उनके लिए आभारी रहें।

जीवन में आपके पास जो कुछ भी है, उसके लिए आभारी रहें, भले ही वह कुछ बहुत ही सरल क्यों न हो। एक बार जब आप एक विनम्र व्यक्ति बनना शुरू कर देते हैं, तो आप अपने अहंकार को पिघलने के लिए और अधिक रास्ता देंगे।

यदि आप चीजों के बारे में इस तरह से सोचना शुरू करते हैं, तो संभावना है कि आप अपने अहंकार पर बेहतर नियंत्रण रखेंगे और साथ ही साथ अपनी भावनाओं को संतुलित करेंगे।

हमेशा याद रखें कि विनम्र और कम अहंकारी होने के बहुत सारे फायदे हैं। प्यार और कम क्रोध से भरा होना हमेशा इस तरह की भावनाओं को दूर करने का एक शानदार तरीका है और यह बहुत अच्छा लगता है जब कोई आपके पास मदद के लिए पहुंचता है।

साथ ही जब इस तरह की चीजों की बात आती है, तो हमेशा अपने करीबी दोस्तों से सलाह लें। ऐसे समय में वे आपकी मदद कर सकते हैं।

काम की बात-सोते-सोते भी कम कर सकते हैं वजन, यह तरीके हो सकते हैं बेहद कारगर

मौजूदा समय में तेजी से बढ़ता वजन लोगों के लिए बड़ी मुसीबत का कारण बना हुआ है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो वजन बढ़ने के कारण शरीर में कई गंभीर रोगों का खतरा भी बढ़ने लगता है। डायबिटीज, हृदय रोगों के साथ-साथ कई प्रकार कीमानसिक बीमारियों के लिए भी विशेषज्ञ बढ़े हुए वजन को एक कारक के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि सभी लोगों को अपने वजन को नियंत्रित रखने के उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है। पर वजन कम करना इतना आसान है क्या? जवाब है हां, सोते-सोते भी वजन को आसानी से कम किया जा सकता है, बस इसके तरीके मालूम होने चाहिए।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक नींद और वजन के आपसी संबंधों के बारे में कई अध्ययनों में पता चलता है। रात को नींद पूरी न होने के कारण न सिर्फ आप चिड़चिड़े हो जाते हैं, साथ ही इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। यदि सोने से पहले कुछ उपायों को प्रयोग में लाया जाए तो वजन को आसानी से कम किया जा सकता है। आइए इस बारे में आगे की स्लाइडों में जानते हैं।

नींद और वजन का संबंधस्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक रात में कम से कम आठ घंटे की नींद पूरी करना सबके लिए आवश्यक है, इसमें कमी के कारण शरीर में तनाव हार्मोन

कार्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है। कार्टिसोल के बढ़ने के कारण आंत में मौजूद माइक्रोब्स पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, जिससे मेटाबॉलिज्म की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा नींद की कमी के कारण भूख वाले हार्मोन भी प्रभावित हो सकते हैं जिससे जंक फूड खाने की अधिक इच्छा होती है। यह सीधे तौर पर वजन बढ़ाने और अन्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। आइए उन तरीकों के बारे में जानते हैं जिनको प्रयोग में लाकर वजन कम कर सकते हैं।

चेतन बुट्टी

ग्रीन-टी पिएंसाल 2016 में अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार ग्रीन टी में पाए जाने वाले फ्लेवोनोइड्स मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं। इसके सेवन से आप रात भर में 3.5 प्रतिशत अधिक कैलोरी बर्न कर सकते हैं। ग्रीन-टी में पाए जाने वाले कैटेचिन यौगिक ब्राउन फैट को बढ़ाते हैं, जोकि वजन को कम करने में सहायक माना जाता है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग करेंजॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन के डॉक्टरों के मुताबिक इंटरमिटेंट फास्टिंग करके भी वजन को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें पुरुषों को 16 घंटे और महिलाओं को 14-15 घंटे का उपवास करना होता है।

अध्ययन-इस वजह से कोविड-19 के गंभीर मामलों और मृत्यु दर का बढ़ गया है खतरा, जानिए कैसे करें बचाव?

दुनिया के तमाम देशों में पिछले कुछ हफ्तों से कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूरोपीय देशों में पिछले महीने कोरोना के मामलों में 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। रूस जैसे देशों में हालात एक बार फिर से गंभीर होते दिख रहे हैं, यहां पिछले कुछ दिनों से रोजाना 35 हजार से ज्यादा कोरोना के मामले दर्ज किए जा रहे हैं। भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां हालात फिलहाल नियंत्रण में हैं, हालांकि एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया के हालिया बयान ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।डॉ गुलेरिया कहते हैं, दीपावली के बाद राजधानी दिल्ली में बढ़े प्रदूषण के कारण कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। बढ़ता प्रदूषण न सिर्फ हृदय और फेफड़ों के गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है, साथ

ही यह कोविड-19 के गंभीर मामलों का भी कारण बन सकता है। आइए इस बारे में आगे की स्लाइडों में विस्तार से जानते हैं।

प्रदूषण और कोविड-19 के गंभीर मामलेशुक्रवार को मीडिया से बातचीत में एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा, वायु प्रदूषण का श्वसन स्वास्थ्य पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से यह फेफड़ों और अस्थमा केरोगियों के लिए बड़ी मुसीबत का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं यह भी चिंताजनक बात है कि प्रदूषण के कारण कोविड-19 के गंभीर मामलों की संख्या में भी इजाफा हो सकता है। इन खतरों से बचे रहने के लिए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। मास्क पहनना आपके लिए बेहद आवश्यक है, यह कोविड-19 और प्रदूषण दोनों से सुरक्षा देने में मदद करेगा। क्या कहते हैं अध्ययनअध्ययनों से पता चलता है कि प्रदूषण का बढ़ा हुआ स्तर कोविड-19 रोगियों के लिए बड़ी समस्या का कारण बन सकता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन से पता चलता है कि हवा में प्रदूषकों के साथ कोरोना के वायरस लंबे समय मौजूद रह सकते हैं, यही कारण है कि कोरोना के एयरबोर्न डिजीज का खतरा बढ़ रहा है। यह कोरोना के मामलों को बढ़ाने के साथ गंभीर मामलों का भी कारण बन सकता है। मृत्यु दर बढ़ने का खतरासाल 2003 में हुए एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि बढ़ा हुआ प्रदूषण फेफड़ों में सूजन का कारण बनता है।

2003 में अमेरिका और इटली जैसे देशों में सार्स के प्रकोप के दौरान हुए शोध के आधार पर वैज्ञानिक कहते हैं कि जिन हिस्सों में प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक होता है, वहां कोविड-19 के रोगियों के लिए समस्याएं और अधिक बढ़ सकती है। चूंकि प्रदूषण के कारण फेफड़ों में सूजन हो जाती है, ऐसे में प्रदूषण और कोविड-19 के संयोजन से मृत्यु दर बढ़ सकता है।

सभी लोगों के लिए विशेष लाभदायक है अनुलोम-विलोम का नियमित अभ्यास, जानिए इसके फायदे

शरीर को स्वस्थ और दीर्घायु बनाने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को नियमित रूप से योग और व्यायाम करने की सलाह देते हैं। योग में प्राणायाम को सेहत के लिए विशेष लाभकारी माना जाता है। इसमें भी अनुलोम-विलोम योग के अभ्यास को स्वास्थ्य विशेषज्ञ सबसे फायदेमंद मानते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि इसके नियमित अभ्यास से श्वास और रक्त परिसंचरण को ठीक रखने सहित कई शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लाभ हो सकते हैं।योग विशेषज्ञों के मुताबिक अनुलोम विलोम श्वास का अभ्यास सुरक्षित है और इसे सभी लोग कर

सकते हैं। इसके नियमित अभ्यास को कई गंभीर रोगों के खतरे को कम करने में लाभदायक पाया गया है। आइए आगे की स्लाइडों में अनुलोम विलोम से सेहत को होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं। कैसे करें यह अभ्यासयोग विशेषज्ञों के मुताबिक किसी भी योग से अधिकतकम लाभ प्राप्त करने के लिए उसका सही तरीके से अभ्यास करना आवश्यक होता है। इस आसन को करने के लिए भी सबसे पहले शरीर को एकदम से सीधा रखते हुए ध्यानपूर्वक में बैठ जाएं। बाएं हाथ से ज्ञान मुद्रा बनाकर दाएं हाथ के अंगूठे से दाईं नासिका को बंद करें और बाईं नासिका से श्वास भरें। अब बाई नासिका बंद करें और दाईं नासिका से श्वास छोड़ें। इस क्रिया को अब दूसरी नाक से दोहराएं। अध्ययनों के अनुसार अनुलोम विलोम का अभ्यास फेफड़ों के कार्य और सहनशक्ति में सुधार कर सकता है। साल 2019 के एक समीक्षा लेख में पाया गया कि फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए अनुलोम विलोम का अभ्यास एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ उत्साह और उमंगपूर्ण वातावरण में होगा। मन प्रसन्न रहेगा और अपनी जरूरतों के मुताबिक पैसा आ जाने से खुशी रहेगी। परिवार में उल्लास रहेगा। आपसी मेलजोल होगा। आर्थिक स्थिति प्रबल होगी। आजीविका के साधनों में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। कारोबारियों को विशेष लाभ के योग। शुभ यात्राएं होंगी।

वृषभ : मानसिक परेशानियों पर जीत हासिल करेंगे। संयम से और सोच समझकर किए गए कार्य लाभ देंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आजीविका के साधनों में बढ़ोतरी होगी लेकिन कारोबारियों के साथ किसी प्रकार का धोखा हो सकता है। अच्छे अवसर आएं तो तुरंत झपट लें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, मन प्रसन्न रहेगा, परिवार के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

मिथुन : कार्यो में लगातार प्रगति का समय है। परिवार के अनुभवी और वरिष्ठजनों के सहयोग से बड़े कार्य पूरे करने में सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा को तरक्की, कारोबारियों को विशेष लाभ के अवसर रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने से मन भी प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में सफल होंगे। धार्मिक यात्राएं होंगी।

कर्क : शुभ समय प्रतीक्षा कर रहा है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलने वाले हैं। युवाओं को नौकरी के बेहतर मौके मिलेंगे। वर्तमान जिम्मेदारी में परिवर्तन आने के योग बन रहे हैं। कारोबारी कार्य विस्तार करेंगे। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव के बावजूद सप्ताह के अंत तक ठीक स्थिति में आ जाएंगे।

सिंह : नवंबर का यह पहला सप्ताह आपके लिए बेहतरीन साबित होने वाला है। पुराने सप्ताहों की परेशानियां, रोग, आर्थिक संकट दूर होंगे। निवेश की संभावना है। संपत्ति, वाहन सुख की प्राप्ति होगी। अवसर आने पर उन्हें पहचानें और उनके अनुसार कार्य करें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। जीवनसाथी के साथ पर्यटन का अवसर आएगा।

कन्या : अब तक जो भी कार्य आपने किए हैं और उनमें सफलता नहीं मिली है तो यह सप्ताह आपकी सारी इच्छाएं पूरी कर देगा। शुभ और सुखद अवसर सामने हैं उन्हें पहचानें और कार्य करें। नौकरीपेशा को तरक्की, कारोबारियों को विस्तार मिलेगा। युवाओं को नौकरी के अच्छे अवसर मिलेंगे। कोई बड़े और अटके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला : भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। मौके का लाभ उठाना सीखें। दूसरों को सलाह देने की अपेक्षा खुद उस पर पालन करें। नौकरीपेशा सुखद सप्ताह का आनंद लेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा लेकिन संतान की गतिविधियों पर नजर रखें। प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। पुराने मित्र जिनसे कभी आपके मधुर संबंध थे वे फिर आपसे जुड़ेंगे।

वृश्चिक : धैर्य और संयम से काम करें। किसी काम में जल्दबाजी नुकसान में डाल सकती है। कोर्ट कचहरी के प्रकरण सुलझ जाएंगे। इससे मानसिक शांति मिलेगी। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए समय ठीक है। कर्ज मुक्ति के योग हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार आ रहा है। पारिवारिक जीवन बेहतर रहेगा। मनमुटाव दूर होगा। प्रेम संबंध स्थिर रहेंगे।।

धनु : नए कार्य प्रारंभ करें या पुराने कार्यो का विस्तार करें, समय आपके पक्ष में है। साझेदारी के कार्यो में सतर्क रहें। परिवार के किसी सदस्य के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मित्रों से मेलमिलाप होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीमारियों पर हो रहा खर्च कम होगा।

मकर : इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा रहने से मन भी प्रसन्न रहेगा। मित्रों परिवार के साथ मेल मिलाप बढ़ेगा और आप एक सुखद जीवन की ओर अग्रसर होंगे। इस सप्ताह आपका पुराना प्रेम लौट आएगा। कार्यो को गति मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहने से कर्ज मुक्ति की संभावना भी बनेगी। धार्मिक आध्यात्मिक कार्यो में मन लगेगा।

कुंभ : संकट का समय बीत गया। अब खुश होने का समय है। परिवार की सभी जरूरतों को पूरा करने में सफल होंगे। किसी भी कार्य को टालने की आदत छोड़नी होगी। आगे बढ़ने का मौका मिले तो तुरंत स्वीकार कर लें। नौकरीपेशा और कारोबारियों के लिए समय बेहतर है। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा।

मीन : भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। संपत्ति संबंधी कार्यो में लाभ होगा। वाहन सुख की प्राप्ति होगी। प्रेम संबंध दोबारा जीवंत होंगे और उनमें गर्माहट आएगी। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद होगा। मित्रों परिवार के साथ पर्यटन का मौका आएगा।

चुटकुले

त्योहार के अवसर पर दुकान की भाभी जी ने सभी कपड़े देख लिए...
भाभी जी- सामने वाले बैग में क्या है?
दुकान वाला- भाभी जी, थोड़ा रहम करो, उसमें मेरा सामान रखा है।

मोनू (बीवी से)- ये कैसी फोटो ली है तुमने, पीछे बंदर आ गया
मुझे इंस्टाग्राम पर डालनी थी
बीवी- (कॉफी पीते हुए) - अरे तो इसमें क्या दिक्कत है, तुम लिख दो कि मैं आगे वाला हूं

सास - मेरी बेटी का ध्यान रखना दमाद जी, इसकी आंखों में कभी आंसू ना आने पाए।
गोलू - ठीक है सासू जी प्याज मैं काट दूंगा, लेकिन बर्तन तो इसे ही धोने पड़ेंगे।

एपीएमसी कार्यालय में फंदे से लटका मिला युवक का शव

नागपुर। एपीएमसी (कृषि उत्पन्न बाजार समिति) की इमारत में एक व्यक्ति का फांसी के फंदे से लटका शव पाया गया। व्यक्ति की शिनाख्त होना बाकी है। शुक्रवार को कलमना थाने में आकस्मिक मृत्यु का प्रकरण दर्ज किया गया। मृतक व्यक्ति की आयु करीब 35 वर्ष बताई जा रही है। व्यक्ति ने दिवाली की रात एपीएमसी की इमारत की पहले मंजिल पर बाजार निरीक्षक कार्यालय की खिड़की के ग्रिल को वायर बांधकर फांसी लगाई। अवकाश का दिन होने से घटना का जल्दी पता नहीं चला सका। दोपहर 12.30 बजे किसी ने शव देखकर समिति के लोगों को इसकी सूचना दी।

युवक ने की खुदकुशी

अपराध संवाददाता। नागपुर. बरोजगारी से त्रस्त युवक ने दिवाली की पूर्व संध्या पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बरामद सुसाइड नोट के आधार पर नंदनवन थाने में आकस्मिक मृत्यु का प्रकरण दर्ज किया गया है। मृतक डायमंड नगर निवासी चेतन उर्फ सूरज गजानन डोंगरे (30) है। युवक ने घर में ही फांसी लगाई। पहले वह हैदराबाद की किसी निजी कंपनी में काम करता था। लॉकडाउन में वापस नागपुर में आ गया। तब से उसे कोई काम नहीं मिला। चेतन को पिता नहीं है। मां सुनीता और बहन के साथ रहता था।

50 हजार रुपए के लिए पिता-पुत्र पर हमला

50 हजार रुपए के लिए पिता-पुत्र पर हमला कर दिया गया। हमले में पिता-पुत्र घायल हो गए। जांच-पड़ताल में पुष्टि के बाद गुरुवार को आरोपियों के खिलाफ नंदनवन थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। देशपांडे ले-आउट निवासी मो. कलमा मो. इस्माल (52) 24 अक्टूबर की रात 9.30 बजे परिवार के साथ घर में था। इस दौरान बस्ती के विकेश सिन्हा (50) ने 50 हजार रुपए की मांग की। रुपए देने से इनकार करने पर विकेश ने अपने साथी फारुख अंसारी (30), नीलेश शाहू (28), विलास शाहू (22), गणेश शाहू (30), मुलेश सिन्हा (28), कमलेश शाहू (26) और तीन-चार साथियों की मदद से कलमा पर हमला कर दिया। हमले में कलमा और उसका बेटा घायल हो गया।

धोखाधड़ी- दंपति के खिलाफ प्रकरण दर्ज

बेलतरोड़ी थाने में दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया। एक ही प्लॉट तीन लोगों को बेचने का प्रयास किया गया है। पीड़ित ओम नगर निवासी हितेश रामटेके (37) है। आरोपी मिलिंद बागुल (43) और उसकी पत्नी नम्रता (38), जयभीम नगर निवासी है। 21 दिसंबर 2017 से अभी तक के आरोपी दंपति ने शंकरपुर में वंदना गृहनिर्माण सहाकरी संस्था का प्लॉट नं.-59 हितेश को दिखाया। सौदा पक्का होने के बाद हितेश ने दंपति को 14 लाख 7 हजार रुपए दिए। पड़ताल करने पर वह प्लॉट और भी दो लोगों के नाम पर होने का पता चला। अपनी रकम वापस मांगने पर दंपति टालमटोल करने लगे। मामला थाने पहुंचा। जांच में धोखाधड़ी करने की पुष्टि होने पर गुरुवार को प्रकरण दर्ज किया गया।

घर में घुसकर महिला को चाकू की नोंक पर लूटा

घर में घुसकर दो बदमाशों ने चाकू की नोंक पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। वारदात बेलतरोड़ी थानांतर्गत दिनदहाड़े बुधवार को हुई। प्रकरण दर्ज किया गया। न्यू मनीष नगर निवासी योगिता श्रीरामन (42) दोपहर 3 बजे घर में सोई थी। सास-ससुर घर को ताला लगाकर बैंक गए, लेकिन ताले से चाबी निकालना भूल गए थे। दोपहर करीब 3 से 3.15 बजे के दौरान दो बदमाशों ने ताला खोलकर घर में प्रवेश किया और योगिता को जगाया तथा शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। पश्चात गले पर चाकू रखकर 400 रुपए नकद और सोने-चांदी के आभूषणों (1 लाख 36 हजार रु.) पर हाथ साफ कर फरार हो गए। रिहायशी क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही आला पुलिस अधिकारी सदल-बल मौके पर पहुंचे।

चार स्थानों पर मारपीट

गिट्टीखदान, जरीपटका, सदर और बेलतरोड़ी थाना क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार को हुईं मारपीट की घटनाओं में प्रकरण दर्ज किए गए। गुरुवार को रात 11.30 ग्यारह बजे किसी बात को लेकर बस्ती के आकाश गेडाम (22), हर्ष पाटील (20) और रोहित लांबा (22) के बीच हाथापाई हो गई। यह देखकर सुरेंद्रगढ़ निवासी नितीन कठारे (29) का भाई राहुल बीच-बचाव करने गया। इस दौरान आकाश ने किसी धारदार वस्तु से राहुल पर हमला किया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों के खिलाफ गिट्टीखदान थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। जरीपटका क्षेत्र के इटारसी पुलिया के पास रहने वाली मीना खोटे (40) नामक महिला पर बुधवार की रात 9 बजे उसके पति राकेश खोटे (40) ने भोजन अच्छा नहीं बनाने पर डंडे से पिटाई कर दी। वह गंभीर घायल हो गई। न्यू मानकापुर में मैत्री कॉम्प्लेक्स निवासी डॉ. शशिकांत वाघाडे (38) 2 नवंबर की शाम को एटीएम से रुपए निकालने के बाद दोपहिया वाहन (एम.एच.-36-आर.-8735) से घर जा रहा था। इस दौरान गोड़वाना चौक में दो अज्ञात आरोपियों ने उसे रोक लिया। शशिकांत कुछ समझ पाता इससे पहले ही आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से वार किया। पकड़े जाने के डर से आरोपी भाग निकले। सदर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। राजाराम नगर निवासी हर्ष सैय्यद (26) 1 नवंबर 2021 को सुबह 6 बजे मित्र राज नेवारे (22) चिचभवन निवासी के यहां गया था। इस दौरान राज पर आरोपी मक्का उर्फ संदीप प्रदीप कांबले ने साथियों की मदद से हमला कर दिया। भारी वस्तु के प्रहार से राज घायल हो गया।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट-मुंबई के साथ-साथ अब अहमदाबाद से दिल्ली के बीच भी दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, 4 घंटे से भी कम समय में पूरा होगा सफर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन में एक और पड़ाव जुड़ गया है। अब तक की योजना के अनुसार अहमदाबाद से मुंबई के साथ-साथ अब अहमदाबाद से दिल्ली के लिए बुलेट ट्रेन चलाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस योजना के बाद अब अहमदाबाद से मुंबई या दिल्ली सिर्फ 3-4 घंटे में पहुंचा जा सकता है।

अहमदाबाद और दिल्ली के बीच बुलेट ट्रेन 4 राज्यों से होकर गुजरेगी और इसमें 15 स्टॉप होंगे। इस योजना के बाद 886 किलोमीटर का सफर सिर्फ 4 घंटे में पूरा होगा। आपको बता दें कि अहमदाबाद-दिल्ली के बीच 886 किलोमीटर लंबे रूट पर बुलेट ट्रेन चलाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार की जा रही है। डीपीआर के हिस्से के रूप में, एनएचएसआरसीएल ने हाल ही में गांधीनगर के 16 गांवों में एक सर्वेक्षण किया। इस मार्ग पर गांधीनगर महात्मा मंदिर भी शामिल होगा। यह ट्रेन साबरमती से खोडियार, महात्मा मंदिर, पेथापुर हाईवे, अलुवा गांव सीमा, साबरकांठा जिले में प्रवेश करते हुए हिंटनगर से

डूंगरपुर तक चलेगी। एनएचएसआरसीएल चार राज्यों- गुजरात, राजस्थान, हरियाणा से दिल्ली तक के इस रूट पर 15 स्टेशन बनाएगी। बुलेट ट्रेन की 350 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति और 250 किमी प्रति घंटे की औसत गति को देखते हुए ऐसा कहा जा सकता है कि अहमदाबाद और दिल्ली के बीच की दूरी 4 घंटे से भी कम समय में पूरी हो जाएगी। इसके साथ साथ एनएचएसआरसीएल ने हाल ही में अहमदाबाद-दिल्ली मार्ग के लिए सर्वेक्षण पूरा किया है और वर्तमान में डीपीआर जमा करने की प्रक्रिया में है। सरकार द्वारा डीपीआर को मंजूरी मिलने के बाद, एनएचएसआरसीएल 2022 में भूमि अधिग्रहण शुरू करेगी और परियोजना के लिए निर्माण कार्य शुरू होगा। इस मार्ग के ज्यादातर रेलवे लाइन और राष्ट्रीय राजमार्ग के गुजरने से भूमि अधिग्रहण तेजी से पूरा हो जाने की संभावना है और ऐसा होता है तो अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना और अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना के साथ पूरा होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार अहमदाबाद-दिल्ली बुलेट ट्रेन रूट में कुल 15 स्टेशनों के लिए गुजरात में 3, राजस्थान में 9, हरियाणा में 2 और दिल्ली में 1 स्टेशन होंगे, जिससे राजस्थान को इस रूट से सबसे ज्यादा फायदा होगा। इस रूट पर अहमदाबाद के अलावा गांधीनगर, हिम्मतनगर, डूंगरपुर, उदयपुर, शाहपुरा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, विजयनगर, अजमेर, जयपुर, बहरोड़, रेवाड़ी, मानेसर और द्वारका (दिल्ली) में स्टेशन बनाए जाएंगे।

दवा फैक्ट्री में 5 मजदूरों की मौत-गुजरात के गांधीनगर में दूषित पानी का टैंक साफ कर रहे थे, जहरीली गैस से गई जान

गुजरात की राजधानी गांधीनगर के कलोल क्षेत्र के खतराज गांव में शनिवार को 5 मजदूरों की मौत हो गई। सभी मजदूर एक दवा फैक्ट्री के दूषित पानी के टैंक की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से सभी की मौत हो गई। GIDC के प्लॉट नंबर 10, ब्लॉक नंबर 58, खटराज, कलोल में टुटसन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड नाम की दवा कंपनी बनी हुई है। फैक्ट्री से निकलने वाले दूषित पानी को रिसाइकिल करने के लिए यहां ETP प्लांट लगाया गया है। शनिवार को विनय कुमार नाम का मजदूर टैंक साफ करने उतरा था। इसी दौरान उसकी चीख सुनाई दी, तो सुनील गुप्ता उसे बचाने टैंक में उतरा। इसके बाद देवेंद्र, राजन कुमार और अनीश टैंक में उतरे। थोड़ी देर बाद सभी की मौत हो गई।

सूरत में लव-जेहाद-पहचान छिपाकर की दोस्ती, फिर नाबालिग से बलात्कार कर धर्म परिवर्तन के लिए डाला दबाव; जबरन नमाज भी पढ़वाई

सूरत शहर के पुणागाम इलाके में एक सत्रह वर्षीय किशोरी को पहचान छिपाकर प्रेम जाल में फंसाने और फिर अपहरण व बलात्कार कर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुणागाम पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

सोशल मीडिया के जरिए हुई थी दोस्ती

पुलिस के मुताबिक पुणागाम भैयानगर के निकट नारायण नगर निवासी मोहम्मद मलिक (21) ने इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क में आई थी। सत्रह वर्षीय किशोरी को धोखे से अपने प्रेम जाल में फंसाया। उसके बाद बीते रविवार सुबह उसे बहला फुसला कर भगा ले गया। इस बारे में पीड़िता के परिजनों को खबर होने पर उन्होंने पुणागाम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुणागाम पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने किशोरी को मुक्त करवा कर मोहम्मद मलिक को ढूंढ निकाला और गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मोहम्मद मलिक ने बताया कि उसकी मां हिंदू है और पिता मुस्लिम है, लेकिन वह और उसके सभी भाई बहीन मुस्लिम धर्म को मानते है। वहीं, मामले की जांच एसीपी सी डीवीजन बीएम वसावा को सौंपी गई है।

राहुल के रूप में दी थी पहचान

मोहम्मद मलिक ने पीड़ित किशोरी को अपनी पहचान हिन्दु युवक राहुल के रुप में दी थी। उसने अपने हाथ पर राहुल नाम से गोदना भी गुदवा रखा था। जिसके चलते पीड़ित किशोरी उसके झांसे में आ गई और राहुल मान कर उससे दोस्ती की थी।

धर्म परिवर्तन के लिए डाला दबाव

पुलिस ने बताया कि पीड़ित किशोरी को मोहम्मद मलिक सूरत से भगा कर करजण ले गया था। वहां पहुंचने पर जब उसकी हकीकत का खुलासा हुआ तो मोहम्मद मलिक ने युवती पर धर्मपरिवर्तन करने के लिए दबाव डाला।

लूट का पर्दाफाश-सूरत में एटीएम काटकर हुई 31.31 लाख की चोरी का पर्दाफाश, कुख्यात मेवाती गैंग के दो शख्स गिरफ्तार; चार की तलाश जारी

सूरत के पांडेसरा जीआइडीसी क्षेत्र में पिछले शुक्रवार की रात एटीएम मशीन काट कर की गई 31.31 लाख रुपए की चोरी का राज फाश करते हुए पुलिस ने कुख्यात मेवाती गैंग के दो जनों को गिरफ्तार किया है। जबकि इस गिरोह चार अन्य फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 हजार रुपए नकद व चोरी में इस्तेमाल की गई कार समेत साढ़े छह लाख रुपए का सामान जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक हरियाणा के नूंह जिले के जाकिर कुरैशी उर्फ गच्चू व उन पाटिया बसेरानगर निवासी दिलशाद सैयद उर्फ बबलू ने अपने फरार साथियों हरियाणा के नूंह जिले के बाजीदपुर निवासी फारुख कुरैशी, सालका गांव निवासी अजरु मेव, डालाबास गांव निवासी

मुस्तिकीन मेव व उत्तरप्रदेश के मथुरा जिले के बीसंभरा निवासी मुस्तकीन के साथ मिल कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। बदमाश शुक्रवार को रात 12 से 4 बजे के दौरान एटीएम की केबिन में घुसे थे। एक कार में आए आपियों ने स्थानीय दिलशाद की मदद से पांडेसरा जीआइडीसी गणेशनगर में जगदम्बा इंडस्ट्रियल स्थित स्टेट बैंक के एटीएम की रेकी की। उसके बाद रात दो बजे वारदात को अंजाम दिया। एटीएम सेन्टर में लगे सीसीटीवी कैमरों पर फोम स्प्रे करके उसे बंद कर दिया। उसके बाद गैस कटर की मदद से मशीन का काटा और कैश ट्रे से 31.31 लाख रुपए नकद चुरा कर फरार हो गए थे। सुबह चार बजे मुंबई से स्थित एटीएम सिक्युरिटी के कंट्रोल रूम से एटीएम का संचालन करने वाली एजेन्सी के कर्मचारी को खबर मिलने पर उन्होंने पुलिस को खबर की। कर्मचारी उधना गांधीनगर निवासी भूपेन्द्र कुमार ने प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिस तरिके से चोरी की घटना हुई थी। उससे पुलिस को इसमें मेवाती गिरोह का हाथ होने की आशंका थी। घटनास्थल की छानबीन में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने मुखबिरों को सतर्क किया और खोजबिन में जुट गई। मुखबिर से पुख्ता सूचना मिलने पर पुलिस की अलग अलग टीमों ने दिलशाद और फिर जाकिर कुरैशी को धर दबोचा। पुलिस ने उनके फरार साथियों की तलाश के लिए एक टीम को सक्रिय किया है।

आधुनिक जमाने में पुरानी परंपरा कायम-सूरत में कपड़ा बाजार में दिवाली पर 100 करोड़ से अधिक के 'मुहूर्त' के सौदे हुए

शेयर बाजार की तरह सूरत के कपड़ा बाजार में भी मुहूर्त के सौदे की पुरानी परंपरा है। व्यापारी धनतेरस से लाभ पंचमी तक पूजा करके जो अधिक खरीदी करने के बाद रेगुलर पेमेंट करते हैं, उन्हीं के साथ मुहूर्त का सौदा करते हैं। सूरत के कपड़ा व्यापारी इस दौरान 100 करोड़ से अधिक का सौदा करते हैं। इस सौदे की डिलीवरी दिवाली को करते हैं। आधुनिक जमाने में भी व्यापारी इस परंपराओं को बनाए हुए हैं।

सूरत में 60 से 70 हजार कपड़ा व्यापारी हैं। व्यापारी आज भी फोन पर ही ऑर्डर की सारी बातें कर लेते हैं। कपड़ा व्यापारी सुनील जैन ने बताया कि दिवाली पर मुहूर्त के सौदे तो होते हैं, लेकिन इस तरह के सौदे पूरे साल होते हैं। व्यापारी सभी दिन को शुभ बनाने के प्रयास में लगे रहते हैं। दिवाली पर सौदे के मुहूर्त में व्यापारियों को फिनिश्ड और ग्रे 5 से 10 प्रतिशत छूट भी मिलता है। इससे क्रेता और विक्रेता दोनों को फायदा होता है। कपड़े का पार्सल भी दिवाली पर ही बनाकर पार्टी को भिजवाते हैं कपड़ा व्यापारी श्रीकृष्ण बंका ने बताया कि दिवाली के दिन मुहूर्त के सौदे की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। व्यापारी दिवाली के दिन मुहूर्त करने के लिए पहले से ही ऑर्डर लेकर रखते हैं। कुछ व्यापारी तो इसी दिन ऑर्डर लेते हैं। व्यापारी दिवाली पर पार्सल बनाकर पार्टी तक पहुंचाते हैं। मुहूर्त के सौदे के लिए कोई इनकार नहीं करता है। जिनके साथ हमेशा कारोबार होता है वह फोन पर सिर्फ जानकारी देते हैं कि इतना कपड़ा भेज रहा हूं। इसके बाद पार्सल रवाना कर देते हैं। इससे दोनों पार्टियों को फायदा होता है। यही मार्केट की परंपरा है।

चीनी सामान के विरोध का असर:इस दिवाली स्वदेशी पर जोर, दक्षिण गुजरात में 50 प्रतिशत कम बिका चाइनीज सामान

बीते दिनों चीन और भारत के बीच सीमा पर तनाव के बाद से कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एसोसिएशन (कैट) की ओर से चीनी वस्तुओं का विरोध करने के साथ चीनी सामानों का आयात नहीं करने के लिए लोगों से अपील की जा रही है। दक्षिण गुजरात में भी कैट के सदस्यों ने दिवाली के दिनों पर आयात होने वाले पटाखे, लाइटिंग, फर्नीचर और डेकोरेशन आदि के सामान नहीं खरीदने के लिए अपील की थी। कैट का दावा है कि उनके अभियान के तहत सूरत और दक्षिण गुजरात में चीनी प्रोडक्ट की बिक्री बीते साल की अपेक्षा 50 प्रतिशत कम हुई है। चीनी की वस्तुओं के बजाय लोग भारत में बनी वस्तुएं खरीदना पसंद कर रहे हैं। भारत में चीन से कई सामान आयात किए जाते हैं। चीन से सूरत में कपड़ा, यार्न, फर्नीचर, केमिकल सहित अन्य कई चीजें मंगाई जाती हैं। कैट का कहना है कि चीन की चीजें भारत में कम कीमत पर मिलने के कारण भारत की चीजों की मांग कम हो जाती है। ऐसे में यदि भारत के उद्यमियों को बढ़ावा देना है तो चीन की चीजों की खरीदी कम

करनी पड़ेगी। अब इस विरोध का असर दिखने लगा है।

चीन से डोकलाम विवाद के बाद तेज हुआ अभियान प्रकाश पर्व पर दिवाली पर भारत के बाजार में हर प्रकार के सामान की खरीदी होती है। इस अवसर पर लोग करोड़ों का खर्च करते हैं। लाइटिंग, डेकोरेशन, फर्नीचर, कपड़े आदि पर बड़ा खर्च कर देते हैं। अब तक चीन इन तमाम चीजों का निर्यात करता था और इससे बड़ी रकम सूरत और दक्षिण गुजरात के बाजार से ले जाता था।

चीन और भारत में डोकलाम विवाद के बाद से भारत के व्यापारियों की संस्था कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एसोसिएशन ने देशभर में चीनी वस्तुओं के विरोध की मुहिम चलाई थी। इस मुहिम में कैट ने चीनी वस्तु आयात करने वालों से भारत की बनी वस्तुएं बेचने की अपील की थी। साथ ही लोगों से भी भारत की चीजें खरीदने की अपील की थी। चीनी सामान का विरोध आगे भी जारी रहेगा कैट की ओर से देशभर में चाइनीज वस्तुओं का विरोध चल रहा है।

सीनियर खिलाड़ियों को मिल सकता है आराम, सहवाग बोले- अगले वर्ल्डकप के लिए इन पांच खिलाड़ियों को करें तैयार

वीरेन्द्र सहवाग ने भारत के पांच खिलाड़ियों का नाम बताया है, जो ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप में भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं। इनमें से तीन खिलाड़ी भारत की मौजूदा टीम का हिस्सा हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में भारतीय टीम के चयनकर्ता सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकते हैं। इस सीरीज में लोकेश राहुल को भारत का कप्तान बनाया जा सकता है। वहीं कोहली और रोहित जैसे सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। ये खिलाड़ी लंबे समय से बायो बबल में हैं और लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद इस बारे में बात भी की थी। इस वजह से इस सीरीज में सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिलना तय है।इस बीच वीरेन्द्र सहवाग ने कहा है कि अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारत युवा खिलाड़ियों को तैयार कर सकता है।

उन्होंने पांच खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप में भारत के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।

इनमें से तीन खिलाड़ी मौजूदा वर्ल्डकप में भारत के लिए खेल रहे हैं और एक खिलाड़ी रिजर्व के रूप में भारतीय टीम के साथ है। वहीं एक खिलाड़ी ने हाल ही में भारत के लिए पहला मैच खेला था।सहवाग ने इन पांच बल्लेबाजों पर जताया भरोसा वीरेन्द्र सहवाग ने अपने फेसबुक पेज वीरूगिरी पर कहा "इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, लोकेश राहुल, ऋतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर अगले वर्ल्डकप में भारत के लिए अहम खिलाड़ी हो सकते हैं। इन खिलाड़ियों को मौका देकर इन्हें और निखारा जा सकता है, क्योंकि ये भविष्य हैं। इसलिए बाकी सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है, ताकि ये खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खेलकर कुछ अनुभव हासिल कर सकें और खुद को अगले वर्ल्डकप के लिए तैयार कर सकें।"17 नवंबर से शुरू होगी टी-20 सीरीजवर्ल्डकप के बाद 17 नवंबर से भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज शुरू होगी। पहला मैच जयपुर में खेला जाएगा। इसके बाद रांची और कोलकाता में मैच होंगे। टी-20 के बाद दो टेस्ट मैचों की सीरीज भी होगी। भारत की मौजूदा टीम लंबे समय से बायो बबल में है। ऐसे में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है।

कार्रवाई-नस्लीय टिप्पणी के बाद माइकल वॉन पर गिरी गाज, बीबीसी ने इस खास शो से हटाया

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन को दो खिलाड़ियों द्वारा नस्लवाद के आरोप लगाने के बाद बीबीसी के एक शो से बाहर कर दिया गया है। वॉन बीबीसी 5 लाइव के द टफर्स एंड वॉन क्रिकेट शो में बीते 12 साल से टेस्ट मैच स्पेशल में एनालिस्ट के तौर पर काम कर रहे थे। लेकिन वह अजीम रफीक द्वारा नस्लवाद के आरोपों के बाद सोमवार को शो में दिखाई नहीं देंगे। रफीक ने दावा किया था कि वॉन ने 2009 में यॉर्कशायर और नॉटिंघमशायर के बीच खेले जाने वाले मैच से पहले उनके और अन्य खिलाड़ियों के प्रति नस्लवादी टिप्पणी की थी। माइकल वॉन ने साल 1991 से लेकर 2009 तक यॉर्कशायर काउंटी टीम का प्रतिनिधित्व किया था। आरोपों का खंडन कर चुके हैं वॉनहालांकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं। डेली टेलीग्राफ के कॉलम में उन्होंने स्वीकार किया कि वह यॉर्कशायर में संस्थागत नस्लवाद के रफीक के आरोपों की जांच में शामिल पूर्व खिलाड़ी वही थे। लेकिन नस्लवाद के आरोपों को उन्होंने पूरी तरह से इनकार किया और कहा कि वह अपना नाम हटाने लिए अंत तक लड़ाई लड़ेंगे। यॉर्कशायर ने रिपोर्ट में कहा कि माइकल वॉन ने अजीम रफीक सहित एशियाई समूह के खिलाड़ियों से कहा, इस समूह में आप जैसे बहुत खिलाड़ी हैं, हमें इसके बारे में कुछ करने की आवश्यकता है। यह रफीक का इंग्लिश काउंटी में पहला सीजन था। वॉन दी सफाईकॉलम में माइकल वॉन ने आगे लिखा, मैं पूरी तरह और स्पष्ट रूप से इनकार करता हू मैंने कभी उन शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया, मेरे पास कुछ भी छिपाने के लिए नहीं है, मेरी तरफ से इस समूह का शब्द का इस्तेमाल कभी नहीं हुआ, दस साल पहले कहे गए शब्दों को याद करने वाला कोई भी व्यक्ति गलत होगा, लेकिन मैं अपनी बात पर अडिग हु कि मैंने उन शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर का कहना है कि उन्होंने माइकल वॉन को यॉर्कशायर के एशियाई मूल के खिलाड़ियों पर नस्लीय टिप्पणी करते हुए सुना था। नावेद ने एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान यह बात कही थी।

NCA: वीवीएस लक्ष्मण को बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी, बन सकते हैं राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी के प्रमुख

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि भारत के पूर्व क्रिकेटर सिस्टम में आकर इस खेल को और आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। बीसीसीआई प्रमुख के रूप में उन्होंने राहुल द्रविड़ को टीम इंडिया का हेड कोच बनने के लिए राजी किया। इसके अलावा वह अब वीवीएस लक्ष्मण को राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी का प्रमुख बनाए जाने के इच्छुक हैं।कई अधिकारियों की पसंद लक्ष्मणसमाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ही नहीं बल्कि सचिव जय शाह और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के कई वरिष्ठ अधिकारी वीवीएस लक्ष्मण को एनसीए का प्रमुख बनाए जाने के पक्ष में हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्र ने आगे कहा, सौरव गांगुली और जय शाह दोनो ही लक्ष्मण को एनसीए प्रमुख बनते देखना पसंद करेंगे, लेकिन इस पर अंतिम फैसला लक्ष्मण को ही लेना है, वह एनसीए प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने की रेस में सबसे आगे हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उनके राहुल द्रविड़ के साथ बेहतर संबंध हैं। यह बहुत ही अच्छा मिश्रण होगा कि दोनों भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने का काम करें। द्रविड़ बनाए गए टीम इंडिया के हेड कोचभारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को टीम इंडिया का हेड कोच बनाया गया है। वह न्यूजीलैंड के भारत दौरे के समय यह जिम्मेदारी संभालेंगे। द्रविड़ ने मौजूदा हेड कोच रवि शास्त्री की जगह लेंगे। संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेले जा रहे टी-20 विश्व कप के बाद रवि शास्त्री का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह द्रविड़ और लक्ष्मण की जोड़ी ने कई बार बेहतरीन साझेदारी करते हुए भारत को मैच जिताए। उसी तरह दोनों भारतीय क्रिकेट के लिए साथ-साथ काम करते हुए उसे नई उचाइयों पर पहुंचाएंगे। द्रविड़ ने की शास्त्री की तारीफटीम इंडिया का हेड कोच नियुक्त करने के बाद राहुल द्रविड़ ने कहा था कि भारतीय क्रिकेट का मुख्य कोच बनाया जाना सम्मान की बात है, वास्तव में मैं आगे की तरफ देख रहा हूं, शास्त्री के कार्यकाल में टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और आशा करता हूं कि टीम को साथ काम करके उसे आगे ले जाने में मदद मिलेगी

ब्रिटेन-कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के साथ जॉनसन सरकार की आलोचना भी तेज

ब्रिटेन में कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने के साथ एक बार फिर देश की इलाज व्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। फिलहाल, दुनिया में रोजाना जितने नए कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं, उनमें लगभग दस फीसदी हिस्सा ब्रिटेन का है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि नए हालात में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की कोविड-19 नीति फिर से चर्चा के केंद्र में आ गई है।जुलाई में हटाए थे प्रतिबंधजॉनसन ने बीते जुलाई में देश में कोरोना संबंधी तमाम प्रतिबंध हटा लिए थे। तब उनकी सरकार ने कहा था कि देश में टीकाकरण की ऊंची दर के कारण अब महामारी का विकराल रूप देखने को नहीं मिलेगा। लेकिन कई संक्रामक रोग विशेषज्ञ अब जॉनसन सरकार के उस दावे पर सवाल उठा रहे हैं।अभी देश में अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या उतनी नहीं है, जितनी एक साल पहले थी। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि सर्दी का मौसम आते ही स्थिति बदल सकती है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि वैक्सीन से लोगों में जो इम्युनिटी पैदा हुई थी, अब उसके कमजोर पड़ने के लक्षण देखने को मिल रहे हैं।लंदन स्थित इम्पीरियल कॉलेज में प्रोफेसर पाब्लो पेरेज गुजमान ने एक समाचार एजेंसी से कहा- ‘हेल्थ सिस्टम पर ऐसा दबाव आ सकता है, जिसे झेलने में वह नाकाम होने लगे।’ गुजमान ने कोविड-19 संक्रमण के ट्रेंड का अंदाजा लगाने के लिए एक मॉडल विकसित किया है।मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ब्रिटेन में कोविड संक्रमण में बढ़ोतरी सितंबर के बाद ही होने लगी। कई ऐसे दिन आए, जब संक्रमण के 30 हजार से नए के सामने आए। लेकिन टीकाकरण के कारण मृत्यु और अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या पहले से कम रही है। मृत्यु की दर में इस साल जनवरी की तुलना में 90 फीसदी तक गिरावट दर्ज हुई है।भविष्यवाणियों से डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी चिंतितलेकिन अब लीड्स यूनिवर्सिटी में संक्रामक रोग विशेषज्ञ स्टीफ ग्रिफिन ने भी अनुमान लगाया है कि आने वाले दिनों में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या इतनी बढ़ सकती है, जिससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के तहत आने वाले अस्पतालों में जगह न बचे। बताया जाता है कि इन भविष्यवाणियों से एनएचएस के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी चिंतित हैं।ब्रिटेन अकेला देश नहीं है, जिसे अभी कोरोना महामारी की नई लहर का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन बोरिस जॉनसन सरकार इसलिए आलोचना के केंद्र में आई है कि उसने दूसरे देशों से अलग कोविड-19 रणनीति अपनाई। जर्मनी, फ्रांस, इटली, इस्राइल आदि देशों में लॉकडाउन खत्म करने के बावजूद बचाव के बुनियादी नियमों को लागू रखा गया। वहां मास्क पहनना अनिवार्य रखा गया है। सोशल डिस्टेंसिंग के नियम भी कमोबेश जारी हैं।उनके उलट ब्रिटेन में इन नियमों को एक झटके से हटा लिया गया। डॉक्टरों की संस्था ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमए) के अध्यक्ष चांद नागपाल ने कहा है- ‘हम समझ नहीं पाए कि सरकार ने मास्क पहनने की अनिवार्यता क्यों खत्म कर दी। मास्क पहनने से आर्थिक गतिविधियों में कोई बाधा नहीं पड़ती, जबकि मास्क की वजह से संक्रमण से बचाव जरूर होता है।’

लाइटक्वाइन की कीमत में आई करीब 300 रुपये की गिरावट, यहां जाने इस डिजिटल करेंसी की नई कीमत

दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी में जमकर निवेश हो रहा है। 2021 की शुरुआत में लाइटक्वाइन 184.92 डॉलर (9,306.75 रुपये) पर था। आज लाइटक्वाइन (LTC) की 15,899 रुपये पर है। इसका बाजार पूंजीकरण कीमत 1.0 खरब रुपये है। Coin Price Forecast के मुताबिक, साल 2021 के अंत तक यह 304 डॉलर यानी 22,800 रुपये पर जा सकता है। इसमें 63 फीसदी की तेजी का अनुमान है। 2022 की पहली छमाही में यह 419 डॉलर पर पहुंच सकता है। वहीं 2022 के अंत तक यह 537 डॉलर (40,275 रुपये) पर पहुंच सकता है, जो मौजूदा कीमत से काफी ऊपर है। वहीं Trading Beasts के अनुसार, 2024 के अंत में यह 289 डॉलर (21,675 रुपये) का होगा। यह अधिकतम 361 डॉलर यानी 27,075 रुपये पर जा सकता है और इसकी न्यूनतम कीमत 246 डॉलर हो सकती है। क्या है लाइटक्वाइन (LTC) ? दुनिया में कई क्रिप्टोकरेंसी मौजूद हैं। इनकी अनेक विशेषताएं और अनूठी पहचान है। साल 2010 के अंत में, पूर्व-गूगलर Charlie Lee ने कुछ अलग सोचा। चार्ली ली को बिटक्वाइन के बारे में तो पता था, जिसे अक्सर डिजिटल गोल्ड कहा जाता है, लेकिन वे निवेशकों के लिए कुछ खास चाहते थे। वास्तव में, लाइटक्वाइन (लाइट + क्वाइन) को अपना विशिष्ट नाम बिटक्वाइन से ही मिला है। एक तरह से यह बिटक्वाइन का ही इम्प्रोवाइज्ड वर्जन है। प्रोटोकॉल ने क्रिप्टोकरेंसी की संपूर्ण स्थिरता के लिए इसे दीर्घायु और अधिक विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए और अच्छा किया है।दुनिया में शीर्ष क्रिप्टोकरेंसी में शामिललाइटक्वाइन का प्रमुख ध्यान क्रिप्टोकरेंसी बाजार की स्थिति के अनुसार बढ़ती उपभोक्ता मांगों को पूरा करने के लिए ब्लॉकचेन की शक्ति को अनलॉक करके विशेष रूप से वैश्विक भुगतान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। लाइटक्वाइन गति, लागत और विश्वस्नीयता में तेजी लाने में सफल रहा है। परिणाम स्वरूप, लाइटक्वाइन को सात अक्तूबर 2011 के शुभ दिन पर GitHub पर एक ओपन-सोर्स क्लाइंट द्वारा जारी किया गया था, जिसके बाद नेटवर्क 13 अक्तूबर को लाइव हो गया था। यह दुनिया में शीर्ष क्रिप्टोकरेंसी में से एक है। लाइटक्वाइन को आज क्रिप्टो बाजार में बेशकीमती डिजिटल संपत्ति के रूप में LTC के प्रतीक के साथ दर्शाया जाता है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान का दौरा करेंगे तालिबानी विदेश मंत्री मुत्ताकी, कई मुद्दों पर करेंगे चर्चा

अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज तालिबान सरकार के अंतरिम विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी जल्द ही पाकिस्तान का दौरा करेंगे। उनकी इस यात्रा को दोनों देशों के बीच संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। अफगानिस्तान में 15 अगस्त को तालिबान के कब्जे के बाद वहां के अंतरिम विदेश मंत्री का पाकिस्तान का यह पहला दौरा होगा। मुत्ताकी को पिछले महीने पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अपनी काबुल यात्रा के दौरान आमंत्रित किया था।सूत्रों ने कहा कि अफगानिस्तान के मंत्री के साथ तालिबान के कई वरिष्ठ अधिकारी भी होंगे और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस यात्रा को अफगानिस्तान में तालिबान सरकार की औपचारिक मान्यता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल यात्रा का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पाकिस्तान ने तालिबान सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है लेकिन वह उन कुछ देशों में से एक है जिसने काबुल में अपने राजनयिक मिशन के साथ-साथ दूत को बरकरार रखा है। सूत्रों ने कहा कि मुत्ताकी की संभावित यात्रा पाकिस्तान द्वारा काबुल प्रशासन के साथ वार्ता जारी रखने की कवायद का हिस्सा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंताओं को साझा किया है कि तालिबान सरकार को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की जरूरत है। इन प्रतिबद्धताओं में एक समावेशी सरकार, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना और किसी भी आतंकवादी संगठन द्वारा अफगान की जमीन को फिर से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देना शामिल हैं। तालिबान के वरिष्ठ नेता मुत्ताकी ने युद्धग्रस्त अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बारे में अमेरिका के साथ बातचीत में हिस्सा लिया था।

सिनेबस्टर मैगज़ीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने किया शानदार दीवाली मिलन समारोह का आयोजन

आरती नागपाल, पंकज बेरी, अरुण बख्शी, सुनील पाल, ज्योती सक्सेना, निलेश मल्होत्रा, किशोरी शहाणे वीज, दिलीप सेन और लीना कपूर सहित कई सेलेब्रिटी गेस्ट रहे उपस्थित, मीडियाकर्मियों को भी दिया अनोखा उपहार

रौशनी के पर्व दीपावली के उप्लक्षय में सिनेबस्टर मैगज़ीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने मुम्बई में अपने ऑफिस में एक शानदार दीवाली मिलन समारोह का आयोजन किया जहां काफी सेलेब्रिटीज़ ने भी शिरकत की। दीप जलाने के इस त्योहार में कई मेहमान और मीडियाकर्मी इस समारोह में खुशियों का दीप जलाने आए। इस दीवाली मिलन समारोह मे सेलेब्रिटी गेस्ट में ऐक्ट्रेस आरती नागपाल, पंकज बेरी, अरुण बख्शी, सुनील पाल, ज्योती सक्सेना, निलेश मल्होत्रा, किशोरी शहाणे वीज, दिलीप सेन और लीना कपूर हाज़िर हुईं। सभी ने रॉनी रॉड्रिग्स को दीवाली की शुभकामनाएं दीं। और रॉनी रॉड्रिग्स ने आए तमाम मेहमानों को विशेष उपहार से नवाजा।

कोरोना काल के बाद दीवाली मनाई जा रही है। इस खास मौके पर आरती नागपाल ने कहा कि रॉनी जी ने फैंटास्टिक वर्क किया है। उन्होंने पहले सभी स्टाफ को गिफ्ट दिया। और सभी को एक नजर से देखा। उनका यही जज़्बा और उनकी दरियादिली उन्हें एक अलग और बड़ी हस्ती बनाती है। मैं उन्हें और सभी फैन्स को हैप्पी दीवाली कहना चाहती हूं।

एक्टर पंकज बेरी ने यहां मीडिया से बात करते हुए बताया कि रॉनी जी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने इस प्रोग्राम को दीवाली मिलन का नाम दिया है, यह बड़ा अच्छा लगा। उन्होंने सभी मेहमानों और अपने तमाम स्टाफ को साथ ही मीडिया वालों को बेहतरीन और यादगार तोहफों से नवाजा। यह उनका बड़ापन है। बहुत अच्छी बात है कि थेटर फिर खुल गए हैं और कोरोना काल के बाद रौनक एक बार फिर छा गई है।

ऐक्ट्रेस लीना कपूर ने यहां कहा कि रॉनी जी द्वारा अयोजित यह दीवाली मिलन समारोह मुझे बहुत अच्छा लगा। यहां आरती नागपाल, पंकज बेरी और अरुण बख्शी से मिलकर अच्छा लगा। मैं सभी को दीवाली की शुभकामनाएं देती हूं।"

आपको बता दें कि सिनेबस्टर मैगज़ीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने इस समारोह में आए हुए तमाम गेस्ट्स के साथ मीडिया वालों को भी खास उपहार दिया और उनकी इस दरियादिली की सभी ने प्रशंसा की। इस दीवाली मिलन समारोह के पीआर की जिम्मेदारी मुंडे न्यूज़ के रमाकांत मुंडे ने बखूबी निभाई।

संदीप मारवाह ने छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा को बढ़ावा दिया

किसी भी देश का बेहतर नागरिक बनने के लिए व्यक्ति के चरित्र को आकार देने की कुंजी शिक्षा है.

"हम उस दिन की तलाश में हैं जब छत्तीसगढ़ के छात्र हर विषय में अंतरराष्ट्रीय मंच पर राज्य का एक अद्भुत नाम बनाने जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ के निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा का उच्चतम स्तर बना रहे। छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल अनुसुइया उइके ने रायपुर में छत्तीसगढ़ प्राइवेट यूनिवर्सिटीज़ रेगुलेटरी कमीशन के नए भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि पूरे भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों के छात्रों को इन विश्वविद्यालयों में बड़े विश्वास के साथ शामिल होने दें।"

"छत्तीसगढ़ राज्य उच्च शिक्षा सहित शैक्षिक नेटवर्क के विस्तार के बारे में चिंतित है। हम अपने युवा दिमागों को उनके रहने की जगह के करीब सबसे अच्छी शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं। हमने अनुमान लगाया है कि आने वाले महीनों में हमें उच्च शिक्षा के और कॉलेजों की जरूरत है। मैं चाहता हूं कि भारत के किसी भी राज्य और विदेशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए नए पाठ्यक्रम पेश किए जाने चाहिए।" उमेश पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ ने यह बात कही।

छत्तीसगढ़ प्राइवेट यूनिवर्सिटीज़ रेगुलेटरी कमीशन के अध्यक्ष और प्रथम अपीलीय अधिकारी, डॉ शिव वरन शुक्ला ने गणमान्य व्यक्तियों से डॉ संदीप मारवाह का परिचय कराया और दुनिया के सबसे विशिष्ट विश्वविद्यालयों में से एक एएएफटी यूनिवर्सिटी ऑफ मीडिया एंड आर्ट्स में शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में बात की। बाद में एएएफटी यूनिवर्सिटी ऑफ मीडिया एंड आर्ट्स के डायनेमिक चांसलर संदीप मारवाह को छत्तीसगढ़ प्राइवेट यूनिवर्सिटीज़ रेगुलेटरी कमीशन के नए परिसर में उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल की उपस्थिति में राज्यपाल अनुसुइया उइके द्वारा उच्च शिक्षा में उनके अथक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। "मैं ये पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित और विनम्र हूं। यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि एएएफटी यूनिवर्सिटी को राज्य की प्रथम महिला द्वारा मान्यता दी गई है, "संदीप मारवाह ने राज्य की सेवा करने का अवसर प्रदान करने के लिए शिक्षा मंत्रालय, छत्तीसगढ़ सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा।

उचित शिक्षा के प्रसार के मूल्य को समझने वाले संदीप मारवाह को दिल से सलाम!

बुआ जी धीरे-धीरे

मुंबई, अब लोगों में हर तरह की फीलिंग होती है। मसलन मां बनने की, मौसी बनने की, चाची बनने की, नानी बनने की, दादी बनने की। हालांकि, सुष्मिता सेन हाल-फिलहाल में इनमें से कुछ भी नहीं बनी हैं। फिर भी वे खुश हैं और बहुत खुश हैं। आपको बता दें कि सुष्मिता हाल ही में बुआ बनीं। उनके भाई राजीव और भाभी चारु एक प्यारी-सी बच्ची के माता-पिता बने हैं। ऐसे में सुष्मिता बुआ बन गईं। अब इस बुआ की खुशी इतनी ज्यादा है कि उन्होंने कहा कि दिवाली के पहले लक्ष्मी का आना बहुत ही शुभ है और मैं इसकी गवाह बनी हूं। यह प्यारी बच्ची बुआ की जान है। अब सुष्मिता के पास पहले से ही दो बच्चियां हैं, यानी यह तीसरी लक्ष्मी है घर में। अब जहां तीन लक्ष्मी हों तो उस घर का माहौल कितना खुशनुमा होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। सुष्मिता ने इस दिवाली को खास बनाने के लिए ईश्वर को लाख-लाख धन्यवाद भी दिया...

दिवाली गिफ्ट

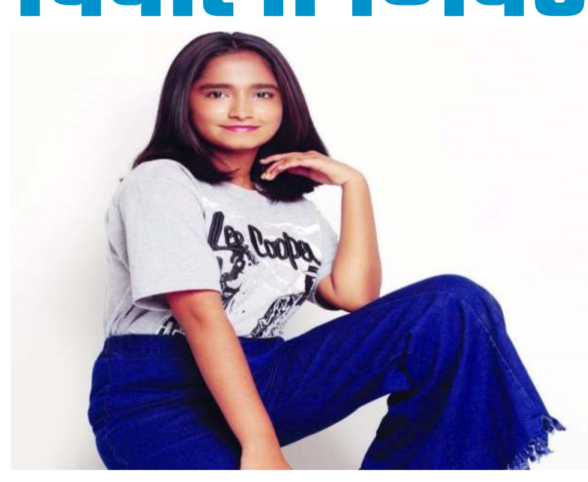

मुंबई, कोविड के कारण डेढ़ साल से ठप पड़ी इंडस्ट्री में रौनक लौटने लगी है और इसके साथ ही गाने-बजाने के साथ शूटिंग और फिल्में रिलीज होने का सिलसिला भी चल निकला है। दिवाली के मौके पर सितारों की हैप्पी दिवाली भी हो रही है। ऐसे में बॉलीवुड सिंगर चांदनी वेगड़ भी काफी खुश हैं। इस खुशी की वजह है एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो। जी हां, उनका अपना स्टूडियो। लोग दिवाली में एक-दूजे को फल-मिठाइयां गिफ्ट में देते हैं पर चांदनी को गिफ्ट में एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो मिला है। और यह गिफ्ट उनके पापा के.पी. वेगड़ ने उन्हें दिया है। चांदनी राजकोट में रहती हैं और यह स्टूडियो वहीं रामदेवपीर चौकड़ी के पास है। चांदनी ने एक गीत गाकर इसका उद्घाटन किया। बता दें कि बॉलीवुड में एंट्री पाने के बाद अब चांदनी, म्युजिक कंपोजर हार्दिक जानी के साथ मिलकर इस द्वारकेश रिकॉर्डिंग स्टूडियो से अपने प्रोडक्शन हाउस में पॉप सांग रिलीज करेंगी। अब आप ही बताइए, चांदनी के लिए अब इससे अच्छा दिवाली गिफ्ट और कुछ हो सकता था क्या...

'सूर्यवंशी' का नहीं बना रिकॉर्ड, पहले दिन इतनी रही कमाई

निर्माता करण जौहर और रिलायंस एंटरटेनमेंट की रोहित शेट्टी निर्देशित अक्षय कुमार व कटरीना कैफ स्टाररि फल्म 'सूर्यवंशी' की पहले दिन की ओपनिंग के आंकड़े आ गए हैं। फिल्म ने उम्मीद से कम कारोबार किया है। वहीं, फिल्म को पंजाब में आंदोलनकारी किसानों का विरोध झेलना पड़ रहा है और खबरों के मुताबिक वहां कुछ सिनेमाघरों ने उनकी ये फिल्म हटानी भी शुरू कर दी है। फिल्म 'सूर्यवंशी' की पहले दिन की ओपनिंग के करीब 30 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया जा रहा था लेकिन इसके पहले दिन के जो आंकड़े आए हैं, उनके मुताबिक फिल्म ने पूरे देश में करीब 26.75 करोड़ रुपये का नेट कारोबार पहले दिन किया है। मतलब कि ये फिल्म अक्षय कुमार की ही फिल्म 'मिशन मंगल' के पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से पीछे रह गई है। कोरोनो की दूसरी लहर के बाद महाराष्ट्र समेत देश के सभी राज्यों में खुल चुके सिनेमाघरों में से अधिकतर राज्यों में सौ फीसदी दर्शक क्षमता के साथ रिलीज हुई फिल्म 'सूर्यवंशी' को 3519 स्क्रीन्स के साथ पूरे देश में रिलीज किया गया है। इतनी बड़ी संख्या में फिल्म के सिनेमाघरों में सौ फीसदी दर्शक क्षमता के साथ रिलीज होने के चलते ट्रेड पंडितों का अनुमान था कि ये फिल्म पहले ही दिन नया बॉक्स ऑफिस ओपनिंग का नया इतिहास रच देगी। फिल्म में अजय देवगन और रणवीर सिंह के स्पेशल अपीयरेंस से भी इसके पहले दिन की कमाई 30 करोड़ रुपये तक होने का अनुमान लगाया जा रहा था। फिल्म 'सूर्यवंशी' अक्षय कुमार की दो साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'मिशन मंगल' की पहले दिन की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ देगी, इसकी उम्मीद अक्षय के तमाम फैंस लगाए बैठे थे। फिल्म 'मिशन मंगल' ने साल 2019 में स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होकर पहले दिन 29.16 करोड़ रुपये की कमाई की थी। अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की फिल्म 'सूर्यवंशी' को लेकर फिल्म दर्शकों में काफी बेकरारी देखी जा रही थी। लेकिन, फिल्म की एडवांस बुकिंग समय से न खुल पाने का नुकसान भी इसे उठाना पड़ रहा है। पहले दिन की कमाई के जो शुरुआती आंकड़े मुंबई पहुंचे हैं, उनके मुताबिक फिल्म 'सूर्यवंशी' की पहले दिन की कमाई 26.75 करोड़ रुपये रही है।फिल्म 'सूर्यवंशी' ने सबसे ज्यादा रकम मुंबई फिल्म वितरण क्षेत्र में 3.45 करोड़ रुपये की बटोरी। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में फिल्म का पहले दिन का कारोबार 3.25 करोड़ रुपये का रहा। देश के दूसरे शहरों में से सिर्फ अहमदाबाद और सूरत में ही फिल्म एक करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकी।

सोशल मीडिया: गोविंदा ने परिवार के साथ शेयर की खास दिवाली तस्वीर, यूजर ने लिखा- कृष्णा व करिश्मा वाले नाटक से दूर रहो

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने परिवार के साथ दिवाली समारोह की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में गोविंदा अपने परिवार के साथ हैं और सभी ने पारंपरिक पोशाक पहनी हुई है। ये सारी तस्वीरें प्रोफेशनली क्लिक की गई हैं। गोविंदा की परिवार के साथ इन तस्वीरों पर उनके फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। अभिनेता के इंस्टाग्राम अकाउंट पर इन तस्वीरों को 95 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। इन तस्वीरों में गोविंदा काले रंग की शेरवानी में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। जबकि उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने सफेद रंग की पोशाक पहनी है। जिस पर उन्होंने काले रंग का स्टोल कैरी किया हुआ है। इन तस्वीरों में गोविंदा और सुनीता की बेटी टीना आहूजा ने पीले रंग का लहंगा पहना हुआ है। जबकि बेटे यशवर्धन काले और सुनहरे रंग के कुर्ते में हैं। परिवार के साथ खींची गई इन तस्वीरों में गोविंदा और उनकी पत्नी सुनिता आहूजा के साथ ही बच्चे भी बहुत खूबसूरत लग रहे हैं।

इन सभी फोटो को शेयर करते हुए गोविंदा ने सभी फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, आप सभी को हमारी तरफ से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। इसके साथ ही गोविंदा ने प्रशंसकों को नये साल की भी शुभकामनाएं दी हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुजरात के लोगों को गुजराती नव वर्ष की बधाई दी थी। पिछले महीने करवा चौथ पर गोविंदा ने सुनीता के साथ तस्वीरें शेयर की थीं और बताया था कि कैसे उन्होंने उन्हें बीएमडब्ल्यू कार गिफ्ट की थी। उन्होंने लिखा था कि मेरे सबसे अच्छे दोस्त के लिए, मेरे जीवन का प्यार, मेरे दो खूबसूरत बच्चों की मां। करवा चौथ की शुभकामनाएं। मुझे तुमसे प्यार है। तुम्हारे लिए मेरा प्यार अथाह है। गोविंदा की दिवाली तस्वीर पर उनके फैंस ने कई तरह की टिप्पणियां की हैं। एक फैन ने लिखा, आपको भी गोविंदा सर दिवाली की शुभकामनाएं.. बस आप यह कृष्णा और करिश्मा वाले नाटक से दूर रहो। अच्छा नहीं लगता आपको और मैडम को फालतू बोलते हुए। गौरतलब है कि गोविंदा और सुनीता आहूजा का उनके भांजे कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी करिश्मा से काफी लंबे वक्त से पारिवारिक मनमुटाव चल रहा है। जिसके कारण अक्सर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और कृष्णा की पत्नी करिश्मा एक-दूसरे पर जुबानी वार करती रहती हैं। सुनीता आहूजा ने तो यहां तक कह डाला था कि जब से करिश्मा घर में आई है तब से पारिवारिक मतभेद शुरू हुए हैं।

आगाज एंटरटेनमेंट के सीएमडी नीरज तिवारी की शानदार बर्थडे पार्टी में फिल्मी हस्तियों का लगा मेला

सिंगर जान कुमार शानू, एक्टर विजय पाटकर, सुपर 30 के लेखक संजीव दत्ता, मिर्जापुर फेम एक्टर अमित स्याल और डायरेक्टर सचिन करांडे रहे बर्थडे सेलेब्रेशन में मौजूद

नीरज तिवारी बना रहे हैं साउथ फ़िल्म का हिंदी रीमेक, भूमि पेडणेकर, तापसी पन्नू या राधिका आप्टे को करना चाहते हैं

कास्ट फ़िल्म डिस्ट्रीब्यूटर से म्यूज़िक प्रोड्यूसर बने आगाज़ इंटरटेनमेंट के डायरेक्टर नीरज तिवारी फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। अब वह जल्द ही एक साउथ फ़िल्म का हिंदी रीमेक भव्य रूप से बनाने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने हाल ही में कन्नड़ फिल्म एक्ट-1978 के हिंदी राइट्स खरीदे हैं, इस बारे में नीरज तिवारी कहते हैं, "एक्ट 1978 की कहानी ने मुझे झिंझोड़ दिया, यह एकदम फ्रेश कॉन्सेप्ट है।हम एक महिला को माँ, पत्नी या एक बहन के रूप में देखते हैं जो बहुत प्यारी और देखभाल करने वाली होती है। लेकिन इस फिल्म में, महिला केंद्रीय भूमिका में है। जब उसके जीवन में हालात बदलते हैं और वह समाज में भ्रष्टाचार से तंग आ जाती है, तो वह बहुत अपने तरीके से इसके विरुद्ध लड़ाई लड़ती है। मुझे इस कहानी ने हिला कर रख दिया और मैंने इस कन्नड़ फ़िल्म के अधिकार खरीदे। मुझे विश्वास है कि हमारे हिंदी दर्शकों को भी यह फिल्म एक्ट-1978 पसंद आएगी। मैं इस रोल के लिए भूमि पेडणेकर, तापसी पन्नू या राधिका आप्टे को कास्ट करना पसंद करूंगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में आगाज़ एंटरटेनमेंट के सीएमडी नीरज तिवारी का जब मुम्बई के सिनसिटी में शानदार ढंग से जन्मदिन मनाया गया तो इस जश्न में इंडस्ट्री के कई नामी चेहरे शामिल हुए। सिंगर जान कुमार शानू, मराठी एक्टर विजय पाटकर, सुपर 30, हीरोपंती,बागी जैसी फिल्मों के लेखक संजीव दत्ता, मिर्जापुर, इनसाइड एज फेम एक्टर अमित स्याल और डायरेक्टर सचिन करांडे नीरज तिवारी के बर्थडे सेलेब्रेशन में मौजूद थे। 1960 के दशक से फिल्म और मनोरंजन इंडस्ट्री में उनका परिवार एक्टिव है। अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, नीरज तिवारी का लक्ष्य आगाज एंटरटेनमेंट के माध्यम से नए कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। नीरज तिवारी ने बताया "फिलहाल, हमारा प्रोडक्शन हाउस कुछ कॉमेडी और थ्रिलर फिल्मों पर काम कर रहा है। हम कुछ रियलिस्टिक और प्रभावशाली महिला-केंद्रित फिल्मों की तलाश कर रहे हैं। हम पांच फिल्मों और एक वेब सीरीज पर काम कर रहे हैं। अगर अवसर मिलता है तो मैं अनुभव सिन्हा, अनुराग कश्यप और श्रीराम राघवन के साथ काम करना चाहूंगा, जिनकी डिफ्रेंट फ़िल्म मेकिंग ने मुझे प्रभावित किया है।"

अपनी कम्पनी आगाज़ एंटरटेनमेंट के मुख्य उद्देश्य के बारे में बात करते हुए नीरज तिवारी कहते हैं, "हमारे प्रोडक्शन हाउस का मुख्य उद्देश्य अच्छे कंटेंट के साथ क्वालिटी प्रोजेक्ट्स पर काम करना है जो समाज में या किसी व्यक्ति के जीवन मे बदलाव ला सकें। हम स्क्रिप्ट और कंटेंट के साथ समझौता नहीं करना चाहते।"

बता दें कि नीरज तिवारी ने ऋषि कपूर स्टारर फ़िल्म पटेल की पंजाबी शादी से बतौर डिस्ट्रीब्यूटर अपना करियर शुरू किया था जिसके बाद उन्होंने राजकुमार राव स्टारर फ़िल्म शादी में जरूर आना जैसी कई फिल्मे डिस्ट्रीब्यूट कीं। लेकिन फिर उन्होंने म्यूज़िक प्रोड्यूसर के रूप में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने का फैसला लिया। नीरज के दादा ने कुछ आसामी फिल्मे प्रोड्यूस भी की थीं। उन्होंने मोहरा, त्रिदेव, सपूत, अपहरण, शिखर, आशिक बनाया आपने, अपरिचित, गुप्त, असम्भव और रंग दे बसंती सहित कई फिल्मे आसाम में रिलीज की।

नीरज तिवारी ने आगे बताया कि वह अपने अपकमिंग म्यूज़िक वीडियो और फिल्मों में 15 नए एक्टर्स और ऐक्ट्रेस को लांच करने जा रहे हैं। वह कुछ नए अंदाज के म्यूज़िक वीडियो और फिल्मे प्रोड्युस करना चाहते हैं, जिनमे कुछ इस्टैब्लिश्ड और कुछ नए ऐक्टर्स होंगे।

युवाओं में पर्यावरण चेतना का पोषण

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

समाज में युवा नागरिकों और भविष्य के निर्णय निर्माताओं के रूप में, छात्रों को पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी की भावना पैदा करनी होगी। देश के सांस्कृतिक और धार्मिक लोकाचार में निहित पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्राकृतिक पर्यावरण और मानव समुदाय के बीच सहजीवी संबंध पर जोर देता है।छात्र चेतना भविष्य के कल्याण को लाभान्वित करेगा। युवा पीढ़ी में पर्यावरण चेतना की संस्कृति को बढ़ावा देना समय की मांग है।

गतिविधियों में स्वैच्छिक भागीदारी जो उन्हें पर्यावरणीय चेतना का पोषण करने में सक्षम बनाती है, स्थायी पर्यावरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगी। पर्यावरण संवेदनशीलता और जागरूकता उनमें प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना पैदा कर सकती है।

वैश्विक चिंताओं के साथ एकजुटता में युवा पीढ़ी को प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के लिए जीवन भर के मूल्य-उन्मुख लक्ष्य के साथ खुद को संलग्न करने के लिए, हमारे छात्रों को पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने के लिए सशक्त होना चाहिए। मानव का एक अदूषित वातावरण में रहने का अधिकार प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने की उसकी क्षमता को दृढ़ सामाजिक आधार पर रखने और छात्रों के बीच स्वयंसेवा की भावना पैदा करने के लिए सीखने की प्रक्रिया को विभिन्न प्रकार की सेवा और विस्तार गतिविधियों के साथ समेकित रूप से विलय करना होगा। सीखने की प्रक्रिया को सक्रिय, समावेशी और सामाजिक रूप से उन्मुख बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया

पर निर्भर करता है। जैव-भौतिक पर्यावरण के साथ विश्वव्यापी प्रयासों को आज के युवाओं द्वारा आगे बढ़ाया जाना चाहिए ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर ग्रह का निर्माण कर सकें। जीवों और वनस्पतियों को संरक्षित करने की आवश्यकता, जल, ऊर्जा, मिट्टी आदि का संरक्षण एक स्थायी पर्यावरण की नींव की गारंटी देगा और साथ ही तत्काल पर्यावरण के संरक्षण के बारे में जागरूक होने से पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। शिक्षा जाना चाहिए।

पहला कदम है संवेदीकरण कार्यशालाएं और हैंड्स-ऑन फील्ड प्रशिक्षण, अधिक जानकारी के लिए आप tsapmumbai.in की वेबसाइट पर जा सकते हैं। इस तरह की गतिविधियों ने छात्रों को व्यक्तित्व विकास के लिए एक पूर्ण अवसर देकर ज्ञान की तलाश, ज्ञान प्रसार और उच्च शिक्षा के ज्ञान को लागू करने वाले पहलुओं को मजबूत किया है।

डॉ कृष्णा चौहान ने मीडिया वालों संग दीवाली उत्सव मनाया

केसीएफ फाउंडेशन की ओर से लंच, स्वीट्स व गिफ्ट्स दिये गए

दीपावली के शुभ अवसर पर कृष्णा चौहान फाउंडेशन के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान ने मुम्बई के अंधेरी में स्थित सिद्धिविनायक ट्रॉफी के दफ्तर में एक शानदार दीवाली सेलेब्रेशन का आयोजन किया। जहां उन्होंने मीडियाकर्मियों और काफी लोगों को मिठाइयों, गिफ्ट्स से नवाजा। साथ ही उन्होंने तमाम लोगों के लिए बेहतरीन लंच का इंतजाम भी किया। इस गेट टूगेदर के मौके पर दीवाली सेलेब्रेशन हुआ और सभी ने एक दुसरे को शुभकामनाएं दीं। केसीएफ फाउंडेशन की ओर से इस तरह के दीवाली उत्सव समारोह में दर्जनों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और डॉ कृष्णा चौहान के हौसले और उनके जज़्बे की प्रशंसा की।आपको बता दें कि कृष्णा चौहान सोशल वर्कर के रूप में वर्षों से मानवता की सर्विस करते आ रहे हैं। डॉ कृष्णा चौहान ने बताया कि दीवाली खुशियों और रौशनी का त्योहार है। इस पर्व पर अपने दोस्तों, साथियों और जानने वालों का ख्याल रखना चाहिए। अपनों के लिए कुछ गिफ्ट्स देना, उनका मुंह मीठा करवाना दीवाली का सही मायने है। गौरतलब है कि मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान ने पिछले माह "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का शानदार आयोजन किया था। बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार बोलीवुड लीजेंड अवार्ड २०२१ का आयोजन 12 दिसंबर २०२१ को मेयर हॉल, अंधेरी मुम्बई में करने जा रहे हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन को भी सक्रिय रूप से चला रहे हैं।

अहमदनगर के सिविल हॉस्पिटल के आईसीयू में भीषण आग, 10 मरीजों की मौत

अहमदनगर, महाराष्ट्र के अहमदनगर स्थित सिविल अस्पताल के आईसीयू में आज सुबह भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक इस आग में तकरीबन 10 मरीजों की दुखद मौत हो गई है। जबकि कई लोगों के जलने की आशंका जताई जा रही है। मरीजों की मौत का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। फिलहाल कई मरीजों को दूसरे अस्पताल में भी शिफ्ट करने की जानकारी सामने आ रही है।

महाराष्ट्र में अस्पताल के अंदर आग लगने की घटनाओं में कोई कमी आती हुई नजर नहीं आ रही है। साथ ही अस्पताल प्रशासन भी इसको लेकर ज्यादा गंभीर नजर नहीं आ रहा है। जिसका खामियाजा मरीजों को अपनी जान गंवाकर चुकाना पड़ रहा है। इसके पहले महाराष्ट्र के भंडारा जिले में भी सरकारी अस्पताल में आग लगी थी। जिसमें कई मासूम बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई थी।

आग कैसे लगी?

अहमदनगर के सरकारी अस्पताल के आईसीयू में यह आग कैसे लगी? इस बारे में अभी तक कुछ भी पता नहीं चल पाया है। अस्पताल से तकरीबन 20 मरीजों को दूसरे नजदीकी अस्पतालों में शिफ्ट करने की जानकारी सामने आई है। इस आग में तकरीबन 12 से 15 लोगों के जख्मी होने की भी खबर सामने आ रही है।

अस्पताल में आग की खबर के बाद अहमदनगर के संरक्षक मंत्री हसन मुश्रीफ भी कोल्हापुर से अहमदनगर के लिए निकलने वाले हैं।

महाराष्ट्र में ड्रग्स माफियाओं को एनसीपी का संरक्षण! मोहित कंबोज का आरोप

मुंबई, बीजेपी नेता मोहित कंबोज ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए कहा है कि मुंबई क्रूज़ ड्रग्स पार्टी मामले में हुई रेड का मुख्य साजिशकर्ता राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी का एक नेता है। इस नेता का नाम सुनील पाटिल है। कंबोज ने इस बाबत कई अहम सबूत भी पेश किए हैं। कंबोज का यह भी कहना है कि किरण गोसावी सुनील पाटिल का आदमी है।

कंबोज ने बताया कि यह कहानी 1 अक्टूबर 2021 से शुरू होती है। सुनील पाटिल ने पहले सैम डिसूजा को व्हाट्सएप मैसेज किया और उसके बाद व्हाट्सएप कॉल किया। पाटिल ने सैम को बताया कि उसके पास 27 लोगों के नाम हैं। जो मुंबई में होने वाली एक क्रूज ड्रग्स पार्टी का हिस्सा होने वाले हैं। लिहाजा मेरी किसी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी से तुम बात करवाओ। जिसके बाद सैम डिसूजा ने एनसीबी अधिकारी वीवी सिंह से बात की। सुनील पाटिल ने कहा कि मेरे आदमी को एनसीबी अधिकारी से मिलवा दो। वह उनसे बात कर लेगा। जब सुनील पाटिल से यह पूछा गया कि वह आदमी कौन है तब उन्होंने कहा कि किरण गोसावी। सैम ने कहा कि इसके बाद 2 अक्टूबर को शाम 4 बजे रेड हुई और 8 बजे पाटिल ने मुझे दोबारा फोन किया।

दिलीप वलसे पाटिल से संबंध

मोहित कंबोज ने मीडिया कर्मियों को एक ऑडियो सुनाते हुए कहा कि इस ऑडियो क्लिप में सुनील पाटिल सैम डिसूजा से बात कर रहे हैं। पाटिल, डिसूजा को यह बता रहे हैं कि उनके कितने बड़े बड़े नेताओं के साथ में अच्छे संबंध हैं। सुनील पाटिल ने सैम डिसूजा से कहा कि उसके दिलीप वलसेपाटील से भी करीबी संबंध हैं और वह एक दूसरे को 23 सालों से जानते हैं।

किसे बचाने की कोशिश?

मोहित कंबोज ने यह आरोप भी लगाया कि जिस तरह से महाराष्ट्र के एक मंत्री ने झूठी कहानी बनाई। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर वह किस इंसान को बचाने की कोशिशों में जुटे हुए थे। क्या किसी को संरक्षण दिया जा रहा था? एक अधिकारी पर लगातार यह आरोप लगाया जा रहा है कि बीजेपी के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया, यह आरोप बेबुनियाद है। सवाल यह भी है कि क्या एक केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ साजिश रची जा रही थी?

ललित होटल का राज

मोहित कंबोज ने यह भी बताया कि मुंबई के ललित होटल में करीब एक साल से सुनील पाटिल का एक सूट बुक था। जहां पार्टियां होती थी और वहां एनसीपी के कई मंत्री शिरकत करते थे। आखिर उन पार्टियों में एनसीपी के कौन-कौन से मंत्री जाते थे, इस बात का भी खुलासा होना चाहिए। वहीं पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के बेटे ऋषिकेश देशमुख और सुनील पाटिल का क्या संबंध है? इसके अलावा पुलिस ट्रांसफर के लिए करोड़ों रुपए की डीलिंग कौन करता था? इसका भी खुलासा होना चाहिए।

ड्रग्स माफियाओं को एनसीपी के संरक्षण!

मोहित कंबोज ने बताया कि जनवरी 2021 में दाऊद के गुर्गे चिंकू पठान को गिरफ्तार किया गया था। तब उसके पास से हथियार और एमडी ड्रग्स बरामद किया गया था।

जोगेश्वरी मुम्बई के ब्लाइंड स्कूल में डॉ कृष्णा चौहान ने डॉ परिन सोमानी, ऐक्ट्रेस रीहा खान के साथ दीवाली सेलेब्रेट की

ब्लाइंड लोगों को मिठाईयां वितरित किए

रौशनी और खुशियों के त्योहार दीपावली का असली अर्थ होता है समाज के हर वर्ग के लोगों में खुशियां बांटना। सभी के चेहरे पर मुस्कुराहट लाना, दूसरों के दुख दर्द को महसूस करना और कृष्णा चौहान फाउंडेशन के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान सोशल वर्कर के रूप में मानवता की सेवा करते रहते हैं। मुम्बई के जोगेश्वरी स्थित एक ब्लाइंड स्कूल में जाकर उन्होंने डॉ परिन सोमानी और ऐक्ट्रेस रीहा खान के साथ दीवाली का पर्व सेलेब्रेट किया। उन आंखों की रौशनी से वंचित लोगों को मिठाईयां, उपहार देकर उनकी जिंदगी में रौशनी लाने का एक प्रयास किया कृष्णा चौहान और उनकी फाउंडेशन केसीएफ ने।डॉ कृष्णा चौहान ने बताया कि ब्लाइंड स्कूल में जाना, वहां के लोगों से मिलना, उनके साथ समय बिताना, उनके लिए कुछ गिफ्ट्स देना, यह सब दीवाली के अवसर पर करना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा और मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मैंने किसी के लिए कुछ किया, मुझे लगता है कि लोगों की यही दुआएं इंसान के काम आती हैं। इस कोरोना काल ने हमे सिखा दिया है कि दुनिया मे इंसान की हैसियत क्षणिक भर है इसलिए उसे हमेशा दूसरों की मदद करने और दूसरों का दर्द बांटने का काम करना चाहिए, यही खूबी तो इंसान को इंसान बनाती है।गौरतलब है कि मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान ने "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का शानदार आयोजन किया था। बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार बोलीवुड लीजेंड अवार्ड २०२१ का आयोजन 12 दिसंबर २०२१ को करने जा रहे हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं।

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
PREMIUM QUALITY
Pure Veg.
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE
KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By :
KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple,
Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai
Lic No. 20718031001190

कलाबेन की जीत पर शिवसेना के दावे को नारायण राणे ने किया खारिज

मुंबई, केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शिवसेना के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें शिवसेना ने दादरा और नगर हवेली लोकसभा सीट से कलाबेन देलकर की जीत को अपनी जीत बताया है।

राणे ने कहा कि कलाबेन शिवसेना के चुनाव चिह्न पर चुनाव नहीं लड़ी थीं। मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में राणे ने कहा कि शिवसेना के महाराष्ट्र के बाहर पहली लोकसभा सीट हासिल करने के दावे के बाद उन्होंने कलाबेन के चुनाव चिह्न का पता लगाया। पता चला कि कलाबेन का चुनाव चिह्न बैट्समैन (बल्लेबाज) था। नारायण राणे ने कहा कि दूसरों की जीत का श्रेय लेने का शिवसेना की आदत रही है। अब वह हास्यास्पद दावे करने लगे हैं कि दिल्ली को जीत लेंगे। हालांकि, कलाबेन से जुड़े एक सूत्र का कहना है कि वे शिवसेना प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ी और जीतीं हैं, लेकिन कुछ प्रक्रियात्मक कारणों से उन्हें शिवसेना का चुनाव चिह्न आवंटित नहीं हुआ। चुनाव आयोग ने भी कलाबेन देलकर को शिवसेना प्रत्याशी के रूप में जीत की घोषणा की थी। सूत्र ने बताया कि किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को चुनाव की घोषणा होने के 72 घंटे के भीतर चुनाव आयोग को सूचित करना होता है कि वह दूसरे राज्य में चुनाव लड़ने जा रहा है। कलाबेन के मामले में ऐसा नहीं हो सका, जिसके कारण उन्हें बैट्समैन चुनाव चिह्न आवंटित किया गया। हाल में हुए लोकसभा उपचुनाव में कलाबेन ने भाजपा के महेश गवित को 51 हजार से ज्यादा मतों से हराया था। गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली में शिवसेना उम्मीदवार कलाबेन जीत शिवसेना के लिए लाटरी मानी जा रही है। इससे लोकसभा में उसे अपनी एक सीट बढ़ाने का मौका मिल गया है।दादरा एवं नगर हवेली में वहां के निर्दलीय सांसद मोहन डेलकर के निधन से खाली हुई सीट पर उपचुनाव हुए थे। मोहन डेलकर ने इसी वर्ष 22 फरवरी को मुंबई के एक होटल में आत्महत्या कर ली थी। उनके निधन से खाली हुई सीट पर उपचुनाव घोषित होने पर शिवसेना ने डेलकर की पत्नी कलाबेन डेलकर को शिवसेना की उम्मीदवारी देने का प्रस्ताव रखा था।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।